30 जून 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

संविधान पर हो रहा हमला सभी को मिलकर उठानी होगी आवाज: कन्हैया

4

गांधी मैदान में गरजे तेजस्वी... बोले- ये देश किसी के बाप का नहीं, यह हम सबका हिंदुस्तान है

- वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने विशाल रैली का किया आयोजन
- तेजस्वी का ऐलान- सरकार बनी तो बिहार में वक्फ संसोधन कानून लागू नहीं होने देंगे

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में रविवार को वक्क संशोधन कानून के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने विशाल रैली का आयोजन किया, जहां कई राजनीतिक पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने शिरकत की। इस सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुस्लिमीन के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अख्तरुल इमान ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित वक्फ संशोधन बिल को लेकर विरोध जताया। नेताओं ने इस बिल को मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की। रैली को संबोधित करते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम बिहार इस बिल को लागू नहीं होने देंगे। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में हमारी सरकार बनी तो इस बिल को कूड़ेदान में फेंकने का काम करेंगे और बिहार में इस बिल को लागू नहीं होने देंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा, हम पिछले 20 सालों से विपक्ष में हैं, और वे अब भी हम पर ही रो रहे हैं। वे अपने कामों की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते? उन्होंने क्या किया है? बिहार में व्यापार बढ़ाने के लिए उनकी क्या योजना है? वे छोटे उद्योगों को कैसे और फायदेमंद बनाएंगे? वे इस बारे में कभी बात नहीं करेंगे। वे कहेंगे कि जंगल राज आएगा। मैं भी 18 महीने तक उपमुख्यमंत्री रहा हू। क्या लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकले? बीजेपी का डर दिखाने का दांव अब इस युग में नहीं चलेगा। इसके अलावा तेजस्वी यादव ने कहा कि ये देश किसी के बाप का नहीं है। यह हम सबका हिंदुस्तान है। तेजस्वी यादव ने बिहार में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी और अपराध दर पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अगर आप नीति आयोग की रिपोर्ट देखेंगे, तो बिहार गरीबी, पलायन और बेरोजगारी में नंबर 1 पर है। कोई उद्योग नहीं हैं। अगर उन्होंने (एनडीए सरकार) एक भी चीनी मिल खोली होती, तो आप मुझे बताइए। शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में बिहार सबसे नीचे है। NCRB के आंकड़े बताते हैं कि 2005 के बाद से अपराध लगातार बढ़ रहा है। सुरक्षित माहौल बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? क्या मुख्यमंत्री ने किसी पीड़ित के घर जाकर उनका दुख बांटा है? तेजस्वी यादव ने दोहराया कि राजद बिहार को एक ऐसी सरकार देना चाहती है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आय और कई अन्य मुद्दों को प्राथमिकता दे और नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में न्याय है न विकास। तेजस्वी यादव ने कहा, हम बिहार को एक ऐसी सरकार देना चाहते हैं जहां शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आय, सिंचाई हो, सुनवाई हो और कार्रवाई हो। आज न सुनवाई है न कार्रवाई। आज आप कहीं भी जाकर देख लीजिये, भारी भ्रष्टाचार है। नीतीश कुमार जंगल राज की बात करते हैं, लेकिन ऐसे अपराधियों को पैरोल देते हैं जो अपने घर में एके-47 रखते हैं। आज बिहार में न्याय है न विकास... हम हमेशा राज्य की जनता के साथ खड़े रहे हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी, जनता दल-यूनाइटेड और एनडीए के अन्य घटक दलों के नेता बिहार के लोगों को लालू प्रसाद के जंगल राज की याद दिला रहे हैं, और कह रहे हैं कि सड़क, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सहित बुनियादी ढांचे की भारी उपेक्षा हुई थी।

अचानक तेजस्वी के पास पहुंचा ड्रोन, बाल-बाल बचे

तेजस्वी यादव पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ संविधान बचाओ सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तभी कवरेज में लगा एक ड्रोन अचानक तेजस्वी यादव की तरफ आ गया और पोडियम से टकरा गया। ड्रोन के अचानक पोडियम से टकराने के कारण तेजस्वी यादव को झुकना पड़ा। अगर ड्रोन तेजस्वी से टकरा जाता तो बड़ी घटना हो सकती थी। इस घटना से वहां कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति हो गई थी।

श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए जमा थी भारी भीड़

पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़, 3 की मौत

- भगदड़ के कारण दबने से 50 से अधिक लोग घायल, इनमें से कुछ की हालत गंभीर
- सभी घायलों को अस्पताल में चल रहा इलाज
- मृतकों में दो महिलाएं शामिल
- भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पर उठने लगे हैं सवाल

एजेंसी/पुरी

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। रविवार सुबह करीब 4:30 बजे, जब भक्त श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान के दर्शन करने के लिए भारी संख्या में जमा थे, उसी दौरान वहां धक्का-मुक्की हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत पुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना शरधाबली के पास, श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने उस वक्त हुई जब रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए भारी भीड़ जमा थी। दर्शन के समय भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया और लोगों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कुछ लोग जमीन पर गिर पड़े और भगदड़ की स्थिति बन गई। इसी दौरान 3 लोग भीड़ के नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक खुर्दा जिले के बताए जा रहे हैं। मृतकों में दो महिलाएं प्रभाती दास और बसंती साहू और 70 वर्षीय प्रेमाकंत महांती शामिल हैं।

ऐसे बड़े धार्मिक आयोजन में जहां लाखों लोग जुटते हैं, वहां भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पर सवाल उठने लगे हैं. घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथयात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्रित हुए थे। अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गई। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और छह लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान बोलागढ़ निवासी बसंती साहू और बालीपटना निवासी प्रेमकांत मोहंती व प्रवती दास के रूप में हुई है।

बड़े आयोजन में सरकार की विफलता सामने आ गई है: पटनायक

वहीं पुरी रथयात्रा में भगदड़ पर बीजद प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सरकार को घेरते हुए कहा कि पुरी में रथयात्रा के दौरान हुआ हादसा भीड़ प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारियों की कमी को उजागर करता है। उन्होंने गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि मैं इस त्रासदी में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। लेकिन, यह साफ है कि रथयात्रा जैसे बड़े आयोजन में सरकार की विफलता सामने आ गई है। यह सरकार की चौंकाने वाली लापरवाही का संकेत है। नवीन पटनायक आगे कहा, मैं सरकार पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाने से परहेज करता हूं लेकिन, यह त्रासदी लापरवाही के कारण हुई। मैं सरकार से यह आग्रह करता हूं कि वह रथयात्रा के सभी प्रमुख अनुष्ठानों का सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए तुरंत आवश्यक और प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पटनायक ने दावा किया कि हादसे के वक्त प्रशासनिक अमला मौके से गायब था और सबसे पहले श्रद्धालुओं के परिजनों ने ही राहत कार्य शुरू किया।

भगदड़ की घटना पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मांगी माफी

ओडिशा के पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने माफी मांगी है। मोहन चरण माझी ने कहा कि पुरी मंदिर भगदड़ के लिए मैं भगवान श्रीजगन्नाथ के सभी भक्तों से क्षमा मांगता हूं। उन भक्तों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। सरकार इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसकी गहन जांच कराई जाएगी और जो भी व्यक्ति या अधिकारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सस्पेंड

ओडिशा के पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना के बाद राज्य की माझी सरकार ने दो अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन और पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल का ट्रांसफर कर दिया गया है। इसमें डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड किया गया है। वहीं चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर व पिनाक मिश्रा को नए एसपी बनाया गया है।

मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए देने की घोषणा

ओडिशा सरकार ने जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह जानकारी सीएम मोहन चरण माझी के कार्यालय ने दी। सीएम माझी ने घटना की प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। जांच विकास आयुक्त की देखरेख में की जाएगी। सीएम ने कहा कि पुरी के जिला मजिस्ट्रेट और एसपी का भी ट्रांसफर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा हमारे ओड़िया राज्य का गौरव है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अब ट्रेन खुलने से 8 घंटे पहले तैयार हो जाएगा आरक्षण चार्ट

नई व्यवस्था से यात्रियों को होगा फायदा

एजेंसी/नई दिल्ली

आए दिन टिकट आरक्षण को लेकर होने वाली जद्दोजहद से निजात दिलाने के लिए भारतीय रेलवे ने कई अहम फैसले लिए हैं। रेलवे बोर्ड ने ट्रेनों के प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मतलब दोपहर 1400 (दो) बजे से पहले प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के आरक्षण चार्ट रात 2100 (नौ) बजे से पहले ही तैयार हो जाएंगे। इससे वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों की अनिश्चितता कम होगी। यात्रियों को वेटिंग लिस्ट की स्थिति के बारे में पहले से ही जानकारी मिल जाएगी। इससे दूरदराज के इलाकों या बड़े शहरों के उपनगरों से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को फायदा होगा। इससे वेटिंग लिस्ट कन्फर्म न होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी मिलेगा।

रेलवे बोर्ड ने बताया कि नई यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) के माध्यम से अब प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की जा सकेगी। इसके अलावा 1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल एप से तत्काल टिकट बुकिंग को लेकर भी बदलाव होंगे। रेलवे के मुताबिक अब केवल प्रमाणित उपयोगकताओं को ही ऑनलाइन तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा, जुलाई, 2025 के अंत से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित वेरिफिकेशन भी किया जाएगा। इस ऑनलाइन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में यूजर अपने डिजिलॉकर अकाउंट की मदद ले सकते हैं। वेरिफिकेशन के लिए डिजिलॉकर में सेव आधार कार्ड डाटा या किसी अन्य सरकारी आईडी का उपयोग किया जा सकता है। बता दें कि सत्यापन के लिए मान्य डॉक्यूमेंट या किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सकता है, इसकी सूची रेलवे पहले ही जारी कर चुका है।

पीएम मोदी झूठे हैं, जहां झुग्गी है, वहां मकान देने का इन्होंने वादा किया था लेकिन ऐसा नहीं हुआ: केजरीवाल

एजेंसी/नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने रविवार को दिल्ली में झुग्गियों को तोड़े जाने के खिलाफ जंतर-मंतर पर घर रोजगार बचाओ आंदोलन का आयोजन किया। इसमें आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव से पहले कहा था कि इन्हें वोट मत देना, नहीं तो ये आपकी जमीन छीन लेंगे। इन लोगों ने झुग्गियां तोड़ दीं।

प्रधानमंत्री मोदी झूठे हैं, उन्होंने चुनाव से पहले वादा किया था कि जहां झुग्गी है, वहीं मकान देंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं बीजेपी के एक बड़े नेता से बात कर रहा था। वो बोला कि दिल्ली की सारी झुग्गियां तोड़ेंगे। बीजेपी का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है। इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे। मैं बीजेपी को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो। आज मैं कह रहा हूं कि अगर झुग्गी तोड़नी बंद नहीं की तो रेखा गुप्ता की सरकार तीन साल से ज्यादा नहीं चलेगी।

महाराष्ट्र के स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में फिलहाल नहीं लागू होगी हिंदी

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र में स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने पर चल रहे विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है और दोनों पुराने सरकारी आदेश (जीआर) रद्द कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, 'आज तीन-भाषा नीति पर मंत्रिमंडल में चर्चा हुई। हमने तय किया है कि डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी, जो यह तय करेगी कि किस कक्षा से कौन-सी भाषा लागू की जाए, कैसे की जाए और छात्रों को क्या विकल्प दिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक यह समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपती, तब तक 16 अप्रैल 2025 और 17 जून 2025 को जारी दोनों सरकारी आदेश रद्द माने जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 129वें एपिसोड को किया संबोधित, बोले...

देश के 95 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजना का ले रहे लाभ

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में 95 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा का लाभ ले रहे हैं, जबकि साल 2015 में यह आंकड़ा 25 करोड़ ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 129वें एपिसोड को संबोधित किया। इसी में पीएम मोदी ने 95 करोड़ लोगों के सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होने की बात कही। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया है कि भारत की 64

प्रतिशत आबादी किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रही है। आज देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे हैं। साल 2015 तक ये आंकड़ा 25 करोड़ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुनिया में सामाजिक सुरक्षा का सबसे बड़ा दायरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय की भी यह अच्छी तस्वीर है। ये सफलता इस विश्वास से आई है कि आने वाला समय और भी अच्छा होगा। भारत हर कदम के साथ मजबूत होगा। प्रधानमंत्री ने देश की एक और उपलब्धि की तारीफ की और कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्राकोमा मुक्त घोषित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के स्वास्थ्य कर्मियों की सफलता है। ट्राकोमा एक बेहद संक्रमणकारी बीमारी है।

प्रधानमंत्री ने कैलाश मानसरोवर और अमरनाथ आदि तीर्थ यात्राओं को लेकर कहा कि 'जब कोई तीर्थयात्रा पर निकलता है, तो एक ही भाव सबसे पहले मन में आता है, 'चलो, बुलावा आया है'। यही भाव हमारे धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। ये यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भाईचारे का, प्रभु से जुड़ने का माध्यम हैं। ये धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसरों का एक महाअभियान भी होती हैं। जब कोई भी यात्रा होती है तो जितने लोग यात्रा पर जाते हैं, उससे ज्यादा लोग तीर्थयात्रियों की सेवा के काम में जुटते हैं।

सड़क दुर्घटना में जख्मी व्यक्ति को युवा नेता दीपक यादव ने पहुंचाया अस्पताल

- फेसबुक पर फोटो शेयर करने के बाद हुई पहचान, कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव का रहने वाला था जख्मी व्यक्ति

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के युवाओं मानवता की मिशाल पेश करते हुए सड़क दुर्घटना में खून से लथपथ हो सड़क किनारे बेहोशी की हालत में गिरे एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। समय से प्राथमिक इलाज मिलने से उनकी जान बच गई।

यह मानवीय भाजयुमो के प्रांतीय नेता दीपक यादव व उनकी टीम ने किया है। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी पहचान नहीं हो रही थी। जिसके बाद दीपक ने अपने फेसबुक पर उनकी फोटो अपलोड कर पहचान की अपील की। जिसके बाद जख्मी व्यक्ति की पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव निवासी 53 वर्षीय भरत तिवारी के रूप में हुई।

इलाज के लिए हायर सेंटर लेकर गए: दीपक तथा उसके साथियों के प्रयास से उनके परिजनों को इस घटना की जानकारी हुई तथा वे अस्पताल पहुंच उनके आगे के इलाज के लिए हायर सेंटर लेकर गए। इस दौरान जख्मी व्यक्ति के परिजनों ने दीपक यादव तथा उनकी पूरी टीम के प्रति आभार जताया।

खून से लथपथ हो बेहोश पड़ा था पीड़ित: दीपक ने केशव टाइम्स से बताया कि शनिवार की शाम सात बजे त्त व्यक्ति महाराज कोठी रोड में पोल फैक्ट्री के पास खून से लथपथ हो बेहोश पड़ा था। इस दौरान हमलोग उधर से गुजर रहे थे। उसे बेसुध देख हमलोगों ने अपने वाहन से उसे डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां मौजूद डॉ. बिरेन्द्र राम ने जख्मी व्यक्ति का इलाज किया। उनके इलाज से उसकी जान बच गई। दीपक ने इसकी जानकारी नया भोजपुर पुलिस को भी दी। वहीं, प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे पटना रेफर किया गया है।

दीपक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों के लिए अनुमंडल अस्पताल उम्मीद की किरण है आज जिस तरह से बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध हो रही हैं इसे निरंतर सुचारू रखने के लिए किसी भी हद तक जाना पड़े तो हमलोग पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान युवा नेता अभिषेक रंजन, पूर्व छात्र नेता संटू मित्रा, मुखिया सिंह कुशवाहा, राहुल सूर्यवंशी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

दु:खद: पानी भरे गड्ढे में डूबने से युवक की मौत, गांव में मचा कोहराम

बक्सर। राजपुर प्रखंड अंतर्गत बन्नी गांव में रविवार की देर शाम एक दर्दनाक हादसे में 32 वर्षीय युवक असलम हजाम की मौत हो गई। असलम, जो रफीक हजाम का पुत्र था, मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था और उसका इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि वह किसी कार्य से गांव के बाहर स्थित बधार की ओर गया था। इसी दौरान असावधानीवश वह पानी से भरे एक गड्ढे में गिर पड़ा और बेहोश हो गया। घटना की जानकारी उस समय हुई जब खेत की ओर जा रहे ग्रामीणों ने पानी में असलम को बेसुध हालत में पड़ा देखा। उन्होंने शोर मचाना शुरू किया, जिसके बाद मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की मदद से असलम को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही धनसोई थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में युवक के मिर्गी के कारण पानी में गिरने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और ग्रामीणों से पूछताछ जारी है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं, परिजनों ने भी इस मामले में किसी तरह की आशंका नहीं जताई है।

चौसा नगर पंचायत वार्ड 8 व 9 में नुक्कड़ नाटक से दी स्वच्छता की प्रेरणा

चौसा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चौसा नगर पंचायत द्वारा रविवार को वार्ड संख्या 8 व 9 में स्वच्छता जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम में कलाकारों की टीम ने स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली और आम जनता को स्वच्छता की महत्ता से अवगत कराया। नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने गीला-सूखा कचरा पृथक करने, खुले में शौच से मुक्ति, जल संरक्षण और नियमित सफाई जैसी अहम बातों को सरल और मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया। गीतों और संवादों ने बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को समान रूप से आकर्षित किया। कलाकारों ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता सिर्फ बाहरी सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी स्वच्छता आवश्यक है। जब तक हमारी आदतों और सोच में बदलाव नहीं आएगा, तब तक स्वच्छ भारत का सपना अधूरा रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद पुष्पा देवी व वार्ड प्रतिनिधि रिजवान खान ने की। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और घर-आंगन के साथ सार्वजनिक स्थलों को भी स्वच्छ बनाए रखने का आह्वान किया। स्थानीय लोग भी उत्साह के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

खबरें फटाफट

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किशोर की मौत

नावानगर। वासुदेवा थाना क्षेत्र के कुकुरभूका गांव में रविवार की शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान उक्त गांव निवासी मृजा राम के 14 वर्षीय पुत्र मोहित कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मोहित घर के पास खुले मैदान में खेल रहा था, तभी अचानक मौसम बिगड़ा और तेज बारिश के साथ बिजली गिरने लगी। इसी दौरान एक जोरदार गर्जना के साथ बिजली मोहित के पास गिरी, जिससे वह मौके पर ही अचेत हो गया। परिजनों द्वारा उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावानगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोहित की असामयिक मौत से परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना वासुदेवा पुलिस को दी गई। वही पंचायत के मुखिया विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने पहुंच पीड़ित परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद करने का भरोसा दिया।

भारी संख्या में तैनात रहेगी पुलिस बल, सीसीटीवी कैमरे से भी होगी निगाहबानी

आज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बक्सर नगर परिषद उपचुनाव की होगी मतगणना

- मतगणना कक्ष में नहीं ले जा सेकेंगे कैल्कुलेटर, ज्वलनशील पदार्थ या इलेक्ट्रानिक डिवाइस
- मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

केटी न्यूज/बक्सर

एंबुलेंस के साथ मौजूद रहेंगे डॉक्टर

एसडीएम ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि मतगणना के दिन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा पदाधिकारी व कर्मी की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी बक्सर से समन्वय स्थापित कर उक्त कार्य हेतु विशेष काउण्टर की व्यवस्था भी करेंगे। जिला अग्निशमन पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि बाजार समिति बक्सर में एक अग्निशामक वाहन तैयार हालत में रखना सुनिश्चित करेंगे एवं अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर से प्राप्त निर्देश के आलोक में कार्रवाई करेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग, पटना के दिशा-निर्देशों के अनुपालन के साथ मतगणना कार्य संपन्न किया जायेगा।

शनिवार को संपन्न हुए बक्सर नगर परिषद के उप मुख्य पार्षद व वार्ड 20 के पार्षद पद के लिए उप चुनाव की मतगणना सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाजार समिति में कराई जाएगी।

इसके लिए बाजार समिति स्थिति सीएमआर के गोदाम संख्या आठ को मतगणना कक्ष बनाया गया है। जहां, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम अविनाश कुमार के देखरेख में मतगणना कराई जाएगी।

पूर्व संध्या पर एसडीएम अविनाश व सदर डीएसपी धीरज कुमार ने मतगणना कार्य में लगे मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों को ब्रिफिंग कर आवश्यक निर्देश दिया तथा पारदर्शी तरीके से मतगणना संपन्न कराने का निर्देश दिया।

एसडीएम ने बताया कि मतगणना के लिए कुल 25 मजिस्ट्रेट तथा उनके साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। मतगणना सुबह आठ बजे से प्रारंभ हो जाएगा।

सभी प्रतिनियुक्त मजिस्टेज्ट एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सुबह छह बजे से ही मतगणना कार्य समाप्ति तक अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित रहेंगे।

एसडीएम ने कहा कि मतगणना परिसर में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की पूर्ण तलाशी ली जायेगी। महिलाओं की तलाशी महिला पुलिस द्वारा अलग एनक्लोजर में की जायेगी।

कोई भी पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी या कर्मी बिना जिला निर्वाचन पदाधिकारी के आदेश के मतगणना हॉल में प्रवेश नहीं करेंगे। केवल फोटोयुक्त प्रवेश पत्र धारक को ही प्रवेश की अनुमति दी जायेगी।

मतगणना परिसर में ज्वलनशील पदार्थ, कैलकुलेटर, मोबाईल फोन, कॉर्डलेस फोन, लैपटॉप, आईपैड इत्यादि सामग्रियों के साथ प्रवेश वर्जित होगा। कोई भी व्यक्ति मैच बॉक्स, आर्म्स या अन्य कोई आपत्तिजनक सामग्री लेकर मतगणना हॉल में प्रवेश नहीं करेंगे तथा इसकी जांच मतगणना कार्य में लगे सुरक्षा कर्मियों द्वारा पूर्ण रूप से कर लिया जागेगा। नई बाजार की ओर से वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए ड्रॉप गेट की व्यवस्था की गई है।

सुबह छह बजे तक मतगणना समाप्ति तक शहर में नहीं होगा भारी वाहनों का प्रवेश: एसडीएम ने बताया कि सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक तक अथवा स्थिति समान्य होने तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र, प्रभारी इटाढ़ी गुमटी, थानाध्यक्ष मुफस्सिल एवं पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, बक्सर इसे सुनिश्चित करायेंगे। वहीं, अंबेडकर चौक से पाण्डेयपट्टी गुमटी तक के रोड पर किसी भी अनधिकृत वाहन के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावे भी एसडीएम ने विधि व्यवस्था व परिचालन व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिये।

नगर परिषद के जिम्मे रहेगी पेयजल, शौचालय की सफाई की व्यवस्था: बाजार समिति बक्सर में मतगणना के अवसर पर पेयजल, शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर के द्वारा की जायेगी। उक्त कार्य का पर्यवेक्षण कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल बक्सर के द्वारा की जायेगी। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि मतगणना कार्य के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए समुचित कार्रवाई करेंगे। जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बक्सर को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जनरेटर एवं ईंधन की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

पुलिस की बढ़ी सक्रियता, वारंट और कांडों के निषापादन में आई तेजी

- जितने कांड दर्ज हो रहे है, उससे अधिक कांडों का किया जा रहा है निष्पादन

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अनुमंडल पुलिस की तैयारी तेज हो गई है। एक तरफ जहां असामाजिक तत्वों और अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई में तेजी आई है तो वहीं आपराधिक कांडों के निष्पादन और वारंट के तामिला में भी पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। बक्सर एसपी शुभम आर्य के सख्ती के बाद डुमरांव अनुमंडल के थानों में जितने कांड दर्ज हो रहे है, उससे अधिक कांडों का निष्पादन किया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस कप्तान ने निर्देश दिया है कि लंबित कांडों की संख्या में कमी लाई जाए। निर्देश के बाद हर थानों में इसके निष्पादन में तेजी आइ है। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि एक माह के अभियान में अनुमंडल के सभी थानों को मिलाकर 500 से अधिक वारंट का तामिला कराया गया।

जिसमें करीब 300 से अधिक वारंटी की गिरफ्तारी हुई। कई जगहों पर असामाजिक तत्वों का नाम गुंडा रजिस्टर में जोड़े गए है। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

नवविवाहिता की मौत मामले में पिता के बयान पर पांच पर दहेज हत्या का केस दर्ज

- राजपुर थाना क्षेत्र के बन्नी गांव की है घटना, परिजनों ने नहीं जताया किसी तरह की आशंका
- मामले के उद्भेदन व आरोपितों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के कसिया गांव में शुक्रवार की रात हुई नव विवाहिता ज्योति कुमारी की संदेहास्पद स्थिति में मौत मामले में मृतका के पिता शिव कुमार राम के बयान पर स्थानीय थाने में पति, सास, ससुर व दो देवरों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया है।

दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे: पुलिस को दिए आवेदन में मृतका के पिता ने जिक्र किया है कि उसने दो वर्ष पूर्व अपनी बेटी की शादी डुमरांव थाना क्षेत्र के कसिया गांव निवासी मुन्ना राम पिता बसंत राम के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ की थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। इसकी जानकारी मेरी बेटी ने कई बार फोन पर हमलोगों को दी थी। मैने उसके ससुराल वालों से उसे प्रताड़ित नहीं करने की आरजू मिन्नत की थी, लेकिन उनकी हरकते रूकी नहीं तथा शुक्रवार को सभी ने मिलकर साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी।

मामले की जांच की जा रही है: एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले के उद्भेदन व आरोपितों की गिरफ्तारी में जुट गई है। प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गौरतलब हो कि शुक्रवार की रात नव विवाहिता की मौत के बाद ससुराल वालों ने बताया था कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में ज्योति ने जहर लिया था, जिसके बाद हमलोग इलाज के लिए उसे लेकर पहले अनुमंडलीय अस्पताल तथा वहां से रेफर होने पर सदर अस्पताल गए थे। जहां, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

वाहन चेकिंग के दौरान नशे में धुत पांच गिरफ्तार, भेजे गए कोर्ट

केटी न्यूज/नावानगर

सड़क सुरक्षा और अपराध पर नियंत्रण को लेकर सोनवर्षा थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली। चेकिंग के दौरान पांच ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया जो शराब के नशे में धुत होकर वाहन चला रहे थे।

पुलिस के द्वारा सभी आरोपितों को तत्काल हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां चिकित्सकीय जांच में उनके शराब पीने की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष नवीन कुमार के अनुसार, थाना क्षेत्र के सोनवर्षा बाजार के पास विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसी दौरान पुलिस ने इन पांचों को पकड़ा।

गिरफ्तार लोगों की पहचान सोनवर्षा के गांव के रहने वाले मंगल तुरहा, गुड्डू शर्मा, अजय तुरहा, मुहर्रम एवं कोदई निवासी अखिलेश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया है।

इंस्पायर अवार्ड मानक : कक्षा 6 से 12 तक के छात्र विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में दिखा रहे रचनात्मकता

उपलब्धि: नवाचार की नई कहानी लिख रहे हैं जिले के छात्र, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में जोश

केटी न्यूज/बक्सर

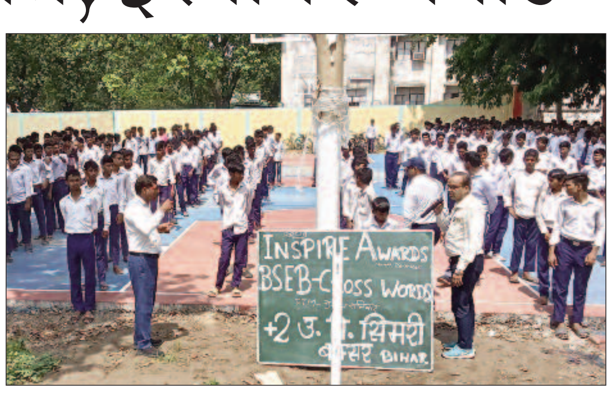

जिले के छात्र-छात्राएं अपने अनोखे विचारों और नवाचार से अब राष्ट्रीय स्तर पर बक्सर का नाम रौशन करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत जिले के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता दिखा रहे हैं। इस योजना का मकसद है बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करना और उनके अनोखे विचारों को मंच प्रदान करना।

ईएमआईएएस पोर्टल पर जिले के विद्यालयों से अब तक कई नवाचार विचार अपलोड किए जा चुके हैं। हालांकि शुरूआत में रफ्तार धीमी रही, लेकिन अब जिला प्रशासन इसे गति देने में जुट गया है। योजना के तहत चयनित बच्चों को 10 हजार की प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी जा रही है।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद शारिक अशरफ ने बताया कि इस बार बच्चों और शिक्षकों में विशेष उत्साह है। विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे समय पर नवाचार विचार पोर्टल पर अपलोड करें। इस बार कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को भी नवाचार के मंच पर अपनी सोच को दिखाने का अवसर दिया गया है, जिससे वे बेहद उत्साहित हैं।

संभाग प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि जिले के बच्चों की नई सोच को केंद्र स्तर तक पहुंचाया जाए ताकि उनके विचार देश की प्रगति में भागीदार बन सकें।

इस बार जिला प्रशासन ने नवाचार विचारों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा है और इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बक्सर के नौनिहाल वैज्ञानिकों की यह उड़ान आने वाले दिनों में जिले को नवाचार की धरती के रूप में पहचान दिला सकती है।

पूर्व थानाध्यक्ष शंभू कुमार को दी गई भावभीनि विदाई, कार्यकाल की हुई सराहना

♦ थाना परिसर में आयोजित किया गया था समारोह, प्रभारी थानाध्यक्ष ने बुके, अंग वस्त्र आदि दे किया सम्मानित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाने में रविवार को एक समारोह आयोजित कर पूर्व थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत को भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर

प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार द्वारा पूर्व थानाध्यक्ष को बुके, अंग वस्त्र, डायरी, पेन आदि देकर सम्मान के साथ विदा किया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की जमकर सराहना की तथा कहा कि पूर्व थानाध्यक्ष शंभू भगत डुमरांव में थानाध्यक्ष रहते हुए अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी पर लगाम लगाने में काफी सफलता पाई थी। इसके अलावे आम जनता के साथ उनके कुशल व्यवहार की तारीफ भी लोगों द्वारा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इनके थानाध्यक्ष रहते कोई भी व्यक्ति निराश नहीं लौटा है, ये आम जनता के कामों को सर्वोपरि मानते थे। यही कारण है कि इनके प्रति जनता का काफी गहरा विश्वास था। इसके अलावे खेलकूद के प्रति भी इनकी दिलचस्पी थी। जबकि थानाध्यक्ष रहते हुए इन्होंने डुमरांव थाना के सौंदर्यीकरण का काम कराया है। इनके कार्यकाल में हुए कार्य इनके कुशल व्यवहार के साथ ही कार्यकुशलता के प्रमाण है।

बता दें कि शंभू भगत डुमरांव का थानाध्यक्ष रहते हुए थाना परिसर में पौधरोपण, फूलों का पौधा लगाने, नगर परिषद से समन्वय स्थापित कर थाना परिसर में पेवर ब्लाक का काम कराने, लाईटिंग व रंगरोगन करा थाना परिसर को काफी आकर्षक बना दिए है। उनके प्रयास से ही थाना परिसर में कई बेहतर काम हुए है, जो आज भी डुमरांव थाना की शोभा बढ़ा रहे है। वहीं, आम जनता से कुशल व्यवहार के अलावे वे शहर में होने वाले खेलकूद की गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी रखते थे। यही कारण है कि उनके प्रति शहरवासियों में सम्मान का भावना है। हाल ही में पुलिस कप्तान शुभम आर्य द्वारा उन्हें डुमरांव थाना से स्थानांतरित कर मुफस्सिल थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया है। उनकी गिनती तकनीकी रूप से दक्ष खासकर साइबर अपराध और गंभीर अपराधिक मामलों के उद्भेदन में तकनीकी जानकारी के आधार पर सफलता पाने के रूप में जाना जाता है।

मौके पर एएसआई हरेश पाठक, आशीष कुमार, प्रियंका कुमारी समेत दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता व शहर के गणमान्य उपस्थित थे।

एक नजर

डुमरांव स्टेशन मार्ग बना दुश्वारियों का सबब, कीचड़ और जाम से परेशान यात्री, छूट रही ट्रेनें

डुमरांव। स्थनीय रेलवे स्टेशन स्थित दुर्गा मंदिर से लेकर रेलवे टिकट काउंटर तक की सड़क इन दिनों बदहाली की मार झेल रही है। हल्की बारिश के बाद यह मार्ग कीचड़युक्त और फिसलनभरा हो गया है, जिससे राहगीरों के साथ-साथ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ के चलते लोग फिसलकर गिर रहे हैं। वहीं ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी पार्किंग के कारण मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। यह सड़क डुमरांव रेलवे स्टेशन तक पहुंचने का मुख्य रास्ता है। रोजाना हजारों लोग इसी सड़क से होकर स्टेशन पहुंचते हैं। लेकिन, इन दिनों सड़क की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सुबह के समय जब ट्रेन पकड़ने की होड़ होती है, तो यात्री सड़क पर गिरने और जाम में फंसने से परेशान हो उठते हैं। रविवार की सुबह ऐसी ही स्थिति बनी, जब स्टेशन की ओर जाने वाले दर्जनों यात्री ट्रेनों तक समय पर नहीं पहुंच पाए और उनकी ट्रेनें छूट गई। यात्री रवि कुमार, अविनाश सिंह, दिनेश प्रसाद, मोहन गुप्ता आदि ने बताया कि यहां हर साल बरसात में यही हाल होता है। कीचड़ और जलजमाव के कारण सड़क पर चलना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन इस बार स्टेशन नवनिर्माण को लेकर स्थिति और भी खराब है। सड़क पर ई-रिक्शा और ऑटो चालक मनमाने ढंग से वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे जाम हो जाता है। पुलिस-प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। वहीं महिला यात्री गीता देवी, शोभा कुमारी का कहना है कि सुबह की ट्रेन पकड़ने के लिए हम समय से घर से निकलते हैं, लेकिन यहां आकर जाम में फंस जाते हैं। सड़क इतनी फिसलन भरी है कि पैर भी संभालना मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चे और बुजुर्ग गिर जाते है। लोगों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटो व ई-रिक्शा तो जरूरी हैं, लेकिन इनके संचालन में कोई अनुशासन नहीं है। उन्होंने जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत कराने की गुहार लगाई है।

काराकाट विस बीएलए-2 की कार्यशाला आयोजित

काराकाट। रविवार को काराकाट विधानसभा के बीएलए-2 कार्यशाला का आयोजन बिक्रमगंज नगर के डीपीएस स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण काराकाट के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने की तथा चुनावी वर्ष में तनमन धन से देश हित में कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश से

आए प्रशिक्षण कताओं ने बारी-बारी से बीएलए 2 का अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। साथ ही साथ चुनाव से संबंधित फॉर्म 6,7 एवं 8 से संबंधित जानकारी दी। कार्यशाला में अपनी बात रखने वालों में जिलाध्यक्ष संतोष पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपकी उपस्थिति जीत का प्रतीक है।आपकी सेवा राष्ट्र को समर्पित होगी। प्रदेश से आए प्रशिक्षणकर्त्ता अरविंद श्रीवास्तव, मोहित शुक्ला व देवेंद्र केसरी ने बीएलए 2 के साथ अपना विचार साझा किया। कार्यशाला में जिला के प्रवक्ता नवीन चंद्र साह, पूर्व प्रवक्ता अखिलेश्वर पांडेय, मंडल अध्यक्ष विनोद पासवान, सतेंद्र पाठक, गौतम तिवारी, धनंजय सिंह, विनोद मिश्रा, शशि मिश्रा, रितेश राज समेत अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यशाला में धन्यवाद ज्ञापन डीपीएस निदेशक सह समाजसेवी अखिलेश सिंह तथा अध्यक्षता काराकाट विधानसभा के संयोजक अजीत कुमार सिंह ने की।

वीकेएसयू के स्नातक सेमेस्टर वन में नामांकन की प्रथम मेधा सूची जारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक सेमेस्टर वन सत्र 2025-29 में एडमिशन की प्रक्रिया 30 जून से शुरू होगी, जो 9 जुलाई तक चलेगी। दाखिला को ले पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है।सोमवार से एडमिशन की प्रक्रिया महाविद्यालयों में शुरू हो जाएगी। नामांकन सेल के नोडल अधिकारी प्रो डीके सिंह ने बताया कि मेरिट लिस्ट रविवार को पोर्टल पर प्रदर्शित होगा। जिसके बाद से विद्यार्थी ऑफरलेटर डाउनलोड कर सकते है। पहली मेरिट में करीब 72 हजार विद्यार्थियों का नाम जारी किया गया है।मेरिट विद्यार्थियों द्वारा वरीयता में चयनित कॉलेज और इंटर में प्राप्त अंक के आधार पर तैयार की गई है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने शनिवार को सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों को एडमिशन को लेकर गाइड लाइन जारी कर दिया है,ताकि सोमवार से एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो जाए। प्रो सिंह ने बताया कि सेमेस्टर वन सत्र 2025-2029 के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में नामांकन के लिए पहली मेधा सूची पोर्टल पर प्रकाशित की गई है। इस सूची से नामांकन की तिथि 30 जून से नौ जुलाई अपराह्न 3:00 बजे तक निर्धारित की गई है। विवि ने सभी कॉलेजों को कहा है कि 30 जून से निश्चित रुप से नामांकन प्रारम्भ करें, ताकि छात्र और छात्राओं को कोई परेशानी नहीं हो। चयनित छात्र छात्राओं का सभी दस्तावेज (अंक-पत्र, आरक्षण श्रेणी एवं सभी मूल प्रमाण पत्रों) का भौत्तिक सत्यापन अनिवार्य रूप से करने के बाद ही कॉलेज नामांकन कंफर्म करेंगे। नामांकन प्रतिदिन अपडेट कर वीर सिंह विश्वविद्यालय को सूचित किया जाना है।

खबरें फटाफट

मोहर्रम पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

काराकाट। मोहर्रम पर्व को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु शनिवार को कछवां थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता काराकाट के अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार एवं नासरीगंज अंचलाधिकारी अंचला कुमारी ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर कछवां थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, शांति समिति के सदस्य एवं विभिन्न समुदायों के लोग मौजूद रहे। बैठक में पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था, शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासनिक तैयारी की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी एकता और भाईचारे का प्रतीक है। सभी समुदाय के लोगों से मिल-जुलकर सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही जुलूस के मार्गों की निगरानी,समय सीमा,ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

विस चुनाव की तैयारी में जुटा प्रशासन, मतदाता पुनरीक्षण व वोटरों के सत्यापन का कार्य हुआ तेज

चुनाव का कार्य होता है कठिन, बर्दाश्त नहीं की जाएगी कोई लापरवाही: डीएम

♦ डीएम ने चक्की व प्रतापसागर में किया मतदाताओं का भौतिक सत्यापन

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला प्रशासन आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है। इसको लेकर पूरे दिन जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद यादव तथा अन्य वरीय अधिकारियों की कवायदे जारी रही।

जिलाधिकारी ने जहां चक्की व डुमरांव प्रखंड के प्रताप सागर में घर-घर जा मतदाताओं को भौतिक सत्यापन किया तथा अधिकारियों को निर्धारित समय के अंदर सभी मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कर जो मतदाता मृत हो गए है या फिर गांव छोड़ दूसरे जगह पर बस गए है अथवा फर्जी मतदाता है उनका नाम मतदाता सूची से हटाने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने दोनों जगहों पर मौजूद बीएलओ व ईआरओ को मतदाता सूची के भौतिक सत्यापन संबंधित प्रशिक्षण

भी दिए। वहीं, दूसरी तरफ डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने केसठ प्रखंड में बीएलओ तथा ईआरओ के साथ बैठक कर मतदाता पुनरीक्षण पर विशेष जानकारी दी तथा बिना लापरवाही किए इस कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया।

चक्की में जिलाधिकारी ने दिया प्रशिक्षण: जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह चक्की में निर्वाचन कार्य से जुड़े बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसरों (ईआरओ) को मतदाता पुनरीक्षण तथा मतदाता सूची प्रशिक्षण का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण को दौरान उन्होंने मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नाम जोड़ने व हटाने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

डीएम ने प्रशिक्षण के दौरान सभी बीएलओ और ईआरओ से कहा कि वे मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने दें। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और सभी विवरणों को सही-सही दर्ज करने का काम पूरी गंभीरता से करें। उन्होंने कहा कि चुनाव का कार्य काफी कठिन होता है, इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्य में लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन आयोग है कि चुनाव कार्य को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना है। इसके लिए जरूरी है कि मतदाता पुनरीक्षण व मतदाताओं का भौतिक सत्यापन का काम पूरी निष्ठा से किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड के बीडीओ, सीओ समेत सभी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

प्रतापसागर में मतदाता पुनरीक्षण का डीएम ने किया भौतिक सत्यापन: वहीं, जिलाधिकारी डुमरांव प्रखंड के प्रताप सागर में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न घरों का दौरा कर मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। डीएम ने आम मतदाताओं से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें इस कार्यक्रम की महत्ता से अवगत कराया और उन्हें पुनरीक्षण प्रपत्रों के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान वहां मौजूद बीएलओ को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वे 15 जुलाई तक घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कर निर्धारित प्रपत्रों को पूर्ण रूप से भरवाकर जमा करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाताओं के नाम जोड़ने या हटाने में लापरवाही करने तथा भेदभाव करने वाले कर्मियों को निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी का प्रयास यह होना चाहिए कि किसी भी योग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से बाहर न हो तथा जो यहां मौजूद नहीं रह रहे है या फिर जिनकी मृत्यु हो गई है या जो गलत तरीके से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा लिए है, उनका नाम अचूक रूप से सूची से हटाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव को पूरे पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण व मतदताओं का भौतिक सत्यापन ही पारदर्शी चुनाव की कुंजी है।

मौके पर बीडीओ संदीप पांडेय, डीसीएलआर सज्जाद अहमद, अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार सहित पंचायत के गणमान्य लोग और पंचायत के मुखिया राजू राय समेत कई अन्य पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सड़क पर उतरे युवा तो टूटी पीएचईडी की तंद्रा एक सप्ताह बाद हुई खराब जलमीनार की मरम्मत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के शक्ति द्वार मोड़ के पास स्थित पीएचईडी का जलमीनार पिछले एक सप्ताह से खराब पड़ा था, जिस कारण इस जलमीनार से जुड़े उपभोक्ताओं के समक्ष इस भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या गंभीर हो गई थी।

इस मसले को ले कई बार स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से गुहार लगाई थी, लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं थे। वहीं, शुक्रवार व शनिवार को मोहल्ले के युवाओं ने जलमीनार के मरम्मत के प्रति पीएचईडी विभाग की उदासीनता के प्रति आक्रोश जताया तथा आंदोलन की चेतवानी दी। इसके बाद विभाग की तद्रा टूटी तथा रविवार को पीएचईडी विभाग से आए मिस्त्रियों ने जलमीनार में आई खराबी को दूर कर आपूर्ति बहाल

कराया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बता दें कि इस जलमीनार से वार्ड 19, 26 तथा 27 के एक बड़ी आबादी को जलापूर्ति दी जाती है। एक सप्ताह तक जलमीनार के बंद होने हजारों की आबादी के समक्ष संकट खड़ा हो गया था। शक्ति द्वार रोड के मनीष मिश्र, अजय यादव, मुखराम यादव, मालिक चौधरी आदि ने बताया कि अक्सर इस जलमीनार में तकनीकी खराबी आ जाती है। लोगों ने बताया कि तकनीकी खराबी आने से जलमीनार से आपूर्ति बाधित होते रहती है। लोगों का कहना है कि विभाग द्वारा शुरू से ही इस जलमीनार के रख रखाव के प्रति उदासीनता बरती गई है, जिसका खामियाजा जलमीनार से जुड़े उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है। वहीं, जलपुत्र के नाम से विख्यात युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय ने कहा कि शहरी क्षेत्र में एक सप्ताह तक जलमीनार को बंद होना गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि पीएचईडी के लापरवाह अधिकारियों की शिकायत जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद यादव से की जाएगी।

वीकेएसयू के पुनः परीक्षा नियंत्रक बने डॉ. अनवर इमाम, महाविद्यालय में खुशी

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के पुनः एक बार नए परीक्षा नियंत्रक के रूप में डॉ. प्रो. अनवर इमाम ने पदभार संभाला। जिन्हें वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय कुलपति शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी के निर्देश पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अनवर इमाम को परीक्षा नियंत्रक का प्रभार सौंपा गया है। वे सात अगस्त को पदभार ग्रहण करेंगे। ज्ञात हो कि डॉ. इमाम अगले आदेश तक विवि का परीक्षा नियंत्रक बने रहेंगे। इससे पहले भी वह कई बार परीक्षा नियंत्रक बन चुकें है। वही डॉ. अनवर के परीक्षा नियंत्रक बनते ही बिक्रमगंज नगर परिषद स्थित वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में रविवार को कर्मियों ने सीनेट सदस्य वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सह वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर

शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में लोगों नए परीक्षा नियंत्रक को दूरभाष से उन्हें बधाई देते हुए खुशी व्यक्त कर मिठाइयां बांटी। इस संदर्भ में डॉ. मनीष ने बताया कि प्रो. इमाम के अनुभवों को देखते हुए विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा उन्हें परीक्षा नियंत्रक का प्रभार सौंपा गया है। जिनके परीक्षा नियंत्रक बनते ही पूरे शाहाबाद प्रक्षेत्र के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में एक नया बदलाव दिखेगा। साथ ही स्नातक और पीजी की सभी परीक्षाएं अब निर्धारित समय कदाचारमुक्त संचालित होने की प्रबल संभावना बन गई। दूसरी तरफ इनके परीक्षा नियंत्रक के रूप में पूर्व के कार्यकाल में भी वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा पूरे बिहार के अन्य विश्वविद्यालय की तुलना में पठन-पाठन सहित समय पर परीक्षा संचालन, रिजल्ट प्रकाशित करना, परीक्षा कॉपी की जांच में हमेशा अग्रसर होकर अव्वल स्थान प्राप्त किया है। जिनके पुनः पदभार ग्रहण करने से सभी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्राचार्य डॉ. बिनोद कुमार सिंह, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश सिन्हा, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. रविन्द्र सिंह, प्रो. वीर बहादुर सिंह, प्रो. मनमोहन तिवारी, प्रो. रमेश सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई दी।

पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की गई आयोजित

क्षेत्र में घर-घर जा मतदाताओं की जानकारी करें संग्रह, फर्जी नाम होंगे बाहर: एसडीएम

केटी न्यूज/केसठ

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में रविवार को केसठ प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित मनरेगा भवन प्रांगण में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने की।बैठक में प्रभारी बीडीओ लवकुश कुमार सहित प्रखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी और सभी बीएलओ उपस्थित रहे। बैठक में एसडीएम ने

निर्देश दिया कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी एकत्र करें और एनुमरेशन फॉर्म यानी गणना पत्र भरवाकर आवश्यक दस्तावेज के साथ जमा कराएं।

फॉर्म के आधार पर फर्जी मतदाताओं की पहचान कर उन्हें सूची से हटाया जाएगा, और नए पात्र नागरिकों को सूची में जोड़ा जाएगा।

एसडीएम ने बताया कि 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे नागरिकों को जन्म तिथि या स्थान का प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होगा। 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्म लेने वालों को अपना और माता/पिता में से किसी एक का प्रमाणपत्र देना होगा। 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे नागरिकों को अपने साथ माता-पिता दोनों के दस्तावेज जमा करने होंगे। एसडीएम ने बीएलओ को एनुमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी समझाई और अभियान को गंभीरता एवं पारदर्शिता से पूरा करने का निर्देश दिया।यह अभियान चुनावी प्रक्रिया को साफ-सुथरा, विश्वसनीय और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस बैठक में नोडल बीएलओ अजय कुमार विक्रांत,मुकेश कुमार,मुनेश कुमार ,फिरोज अंसारी,सुनील कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

मतदान को ले बीएलओ ने शुरू किया सर्वेक्षण

सासाराम। 28 जून मतदान की अर्हता रखने वाले एक भी युवा या व्यक्ति छूटने नहीं पाएं। इसके लिए 25 जून से ही बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है। यह सर्वेक्षण कार्य 26 जुलाई तक चलेगा।

एक जुलाई 1987 को या उसके पहले भारत में जन्मे निर्वाचक को स्वयं अपना जन्मतिथि या फिर जन्मस्थान का प्रमाणित करने का साक्ष्य देना होगा। इसी तरह से एक जुलाई 1987 से तीन दिसंबर 2004 के बीच भारत में जन्म होने पर अपना तथा माता या फिर पिता की जन्मतिथि या जन्मस्थान प्रमाणित करने का साक्ष्य उपलब्ध कराना होगा। जबकि 02 दिसम्बर 2004 के बाद भारत में जन्म होने पर स्वयं अपना, माता या पिता की जन्मतिथि चाहे जन्मस्थान प्रमाणित करने का साक्ष्य प्रस्तुत करना जरूरी है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
92%
TOPPERS- STD. X
1st 2nd 2nd 2nd 3rd 3rd
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
Mathematics : 100 Sanskrit : 100 Social Science : 97
Science : 100 English : 95 Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

सूबे में विशेष पुनरीक्षण 2025 शुरू, एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के बीच गणना फॉर्म का हुआ वितरण

अभियान शुरू

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके तहत विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेजी से चल रहा है। अब तक एक करोड़ से अधिक मतदाताओं को गणना फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। 25 जून से 26 जुलाई तक चलने वाली इस प्रक्रिया में शामिल होकर मतदाता ऑनलाइन या ऑफलाइन फॉर्म भर सकते हैं। बिहार में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 का कार्य राज्य भर में तीव्र गति से चल रहा है। यह प्रक्रिया 25 जून 2025 से प्रारंभ हुई है, जिसके अंतर्गत मतदान केंद्र पदाधिकारी द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण किया जा रहा है। अब तक राज्य के विभिन्न जिलों में एक करोड़ से अधिक मतदाताओं को गणना फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग के नेतृत्व में बिहार देश का प्रथम ऐसा राज्य है जहां पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत मतदान केंद्र

पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें घर-घर जाकर सत्यापन और गणना फॉर्म के वितरण-संकलन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मतदाताओं तक गणना प्रपत्र को सुलभता से उपलब्ध कराने हेतु तथा निर्वाचन मशीनरी को पूर्ण मनोयोग और मनोबल के साथ इस कार्य में समर्पित बनाए रखने के लिए राज्य के सभी जिलों में डीएम स्वयं फील्ड भ्रमण कर रहे हैं। वे मतदान केंद्र पदाधिकारियों के साथ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण कर रहे हैं एवं उनके कार्यों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की निगरानी कर रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बिहार के सभी राजनीतिक दल सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्तिः अब तक 1.5 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति की जा चुकी है, जो प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची के सत्यापन में लगे हुए हैं। सभी राजनीतिक दल लगातार और अधिक बीएलए नियुक्त कर रहे हैं ताकि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित हो सके। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सलाह दी है कि वे समय रहते प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बीएलए नियुक्त करें ताकि बाद में मतदाता सूची में त्रुटियों की शिकायत करने की आवश्यकता ही न पड़े। आयोग का स्पष्ट मत है कि सही समय पर सहभागिता से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रह सकती है। वर्तमान 7,89,69,844 मतदाताओं में से लगभग 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम पहले से दिनांक 01.01.2003 की अंतिम गहन पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल हैं। ऐसे मतदाताओं को केवल अपनी प्रविष्टियों की पुष्टि करनी है और गणना प्रपत्र भरकर जमा करना है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी मतदाता के माता या पिता में से कोई एक व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल रहा है, तो ऐसे व्यक्ति को इस विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के दौरान नामांकन के लिए उनसे संबंधित किसी भी दस्तावेज को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी, चाहे उस व्यक्ति की जन्मतिथि कुछ भी हो।

सोशल मीडिया से प्रचार का निर्देशः विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की नियमित गतिविधियों को देखने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के फेसबुक, ट्विटर एवं इंस्टाग्राम हैंडल को फॉलो किया जा सकता है। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के सोशल मीडिया हैंडल्स में भी सभी अपडेट जा रहे हैं। कार्य को गति देने हेतु सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं, विकास मित्रों, जीविका दीदियों, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र आदि के स्वयंसेवकों की सहायता लें। ये स्वयंसेवक न केवल मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करेंगे, बल्कि मतदान केंद्र पदाधिकारियों को वितरण व संग्रहण कार्य में भी सहयोग प्रदान करेंगे।

पटना में आयोजित सामाजिक न्याय संवाद बोले कांग्रेस नेता कन्हैया...

संविधान पर हो रहा है हमला, सभी को मिलकर उठानी होगी आवाज

- मौजूदा सरकार देश के संसाधनों का कर रही है निजीकरण
- मुंगेरी लाल की रिपोर्ट आज हो रही है साकार

केटी न्यूज/पटना

देश के संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं और सरकार वक्फ बोर्ड से लेकर पिछड़ा व अति पिछड़ा वर्ग के आरक्षण तक को कमजोर करने की कोशिश में जुटी है। ऐसे हालात में जरूरी है कि सभी लोग एकजुट होकर आवाज उठाएं, ताकि संविधान की मूल भावना को बचाया जा सके। यह बातें कांग्रेस नेता डॉ. कन्हैया कुमार ने रविवार को पटना के एएन सिन्हा इंस्टिट्यूट में आयोजित सामाजिक न्याय संवाद कार्यक्रम में कही। कन्हैया कुमार ने कहा कि मौजूदा सरकार देश के संसाधनों का निजीकरण कर रही है और उन्हें कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के हाथों में सौंपा जा रहा है। इससे जनता को हाशिए पर धकेला जा रहा है और लोकतंत्र के सभी स्तंभ कमजोर पड़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वक्त चुप बैठने का नहीं है, बल्कि सबको मिलकर संघर्ष करना होगा, तभी यह लड़ाई सफल होगी। इस अवसर पर मुंगेरी लाल ट्रस्ट की ओर से सामाजिक न्याय संवाद का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वर्गीय मुंगेरी लाल के नाती संतोष कुमार पासवान ने की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. राकेश रंजन ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रदीप कुमार मालाकार ने किया।

अत्यंत पिछड़ा वर्ग को आरक्षणः कार्यक्रम में पहली बार ऐतिहासिक मुंगेरी लाल आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया। इंस्टिट्यूट के प्रो. डॉ. राकेश रंजन ने बताया कि स्वर्गीय मुंगेरी लाल ने अपनी रिपोर्ट में सबसे पहले अत्यंत पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने की सिफारिश की थी। सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत पंडित ने कहा कि महिला आरक्षण हो या एइउ-ईडब्ल्यूएस जैसे प्रावधान, आज जिन नीतियों को सरकारें लागू कर रही हैं, उनके पीछे मुंगेरी लाल आयोग की रिपोर्ट ही मूल आधार रही है। लेकिन दुर्भाग्य है कि इस ऐतिहासिक योगदान का श्रेय आज तक उन्हें नहीं मिल सका। इंस्टिट्यूट के प्रो. डॉ. विद्यार्थी विकास ने कहा कि जिस रिपोर्ट को कभी हसीन सपना बताया जाता था, वही आज साकार हो रही है।

दलित नेता अमर आजाद ने कहा कि मुंगेरी लाल के दलित होने की वजह से उनकी रिपोर्ट को लंबे समय तक नजरअंदाज कर दिया गया। छात्र नेत्री भाग्य भारती ने कहा कि मुंगेरी लाल ने न सिर्फ पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग बल्कि महिलाओं को भी आरक्षण देने की बात अपनी रिपोर्ट में रखी थी। इससे महिलाओं की लड़ाई को मजबूती मिली, इसलिए इस योगदान को हर मंच से उठाना जरूरी है। कार्यक्रम में छात्र नेता सुशील कुमार, रजनीकांत पाठक, दानी प्रजापति, कामेश्वर पंडित, मो. सद्दाम, मृणाल राज, जन्मेजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

पटना: हिंसक झड़प में 2 को लगी गोली

पटना। गौरीचक इलाके में रविवार को दो गुटों के बीच झगड़े में दो व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घायलों की पहचान शिव प्रकाश और आदित्य कुमार के रूप में हुई है। वहीं इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। एसडीपीओ सत्यकाम ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गौरीचक थानाक्षेत्र के जुझारपुर गांव में रविवार सुबह दो समूहों के बीच झगड़ा हुआ। उन्होंने बताया कि झड़प के दौरान कुछ संदिग्धों ने शिव प्रकाश और आदित्य कुमार पर गोली चलाई और मौके से फरार हो गए।

बिहार से नहीं, बिहार के लिए लड़ूंगा चुनाव : चिराग

- चिराग की रैली में बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का गूंजा नारा

केटी न्यूज/नालंदा

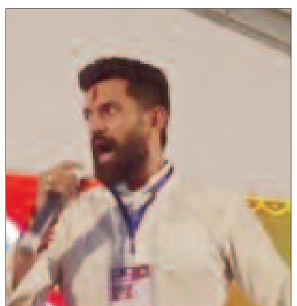

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को राजगीर में आयोजित बहुजन भीम संकल्प समागम को संबोधित करते हुए बिहार की राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी का संकेत दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं बिहार से चुनाव नहीं लड़ूंगा बल्कि बिहार के लिए लड़ूंगा। चिराग पासवान ने कहा कि जब तक वे हैं, तब तक न तो संविधान को खतरा है और न ही आरक्षण को। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया। चिराग पासवान की रैली में दूर-दराज से हजारों कार्यकर्ता पहुंचे। जनसैलाब को संभालने में सुरक्षाकर्मियों को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

जब चिराग पासवान अपनी गाड़ी की छत पर बैठकर समर्थकों का अभिवादन कर रहे थे, तो कुछ कार्यकर्ता गाड़ी पर चढ़ गए, जिससे अफरातफरी की स्थिति बन गई। सुरक्षा बलों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित मंच तक पहुंचाया। इस दौरान उनकी गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा। अपने भाषण में चिराग पासवान ने विपक्षी दलों खासकर राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यह भ्रम फैलाया गया कि तीसरी बार मोदी सरकार आने से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। जबकि सच्चाई यह है कि लोकतंत्र की हत्या 1975 में कांग्रेस और इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर की थी। तेजस्वी यादव के 20 महीने में 20 साल का काम के दावे पर चिराग ने तंज कसते हुए कहा कि अगर आपको 20 महीने का समय दे भी दिया जाए तो क्या आप उन गरीबों को उनकी जमीन लौटा देंगे, जो आपने नौकरी देने के नाम पर हड़प ली थी।

बाबा साहेब अंबेडकर को दी श्रद्धांजलिः चिराग पासवान ने कहा कि 1979 से पहले संसद में बाबा साहेब की एक भी तस्वीर नहीं थी, जबकि एक ही परिवार की तीन-तीन तस्वीरें लगी थीं। चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के विजन के साथ उतरेगी।

पटना में एसआई को सड़क पर दौड़कर पीटा, गंभीर रूप से जख्मी

पटना। पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र में डायल 112 की पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। मानसिक रूप से अस्वस्थ एक युवक ने एसआई को सड़क पर घसीटकर पीट दिया। जिसमें पुलिसकर्मी घायल हो गया। इस दौरान चश्मा टूट गया और वर्दी भी फट गई। इसके बाद कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि ये बवाल एक घरेलू विवाद से शुरू हुआ था। पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र में एग्जीबिशन रोड में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिसकर्मियों पर एक युवक ने हमला कर दिया। इस हमले में एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गए। आरोपी युवक की पहचान 25 साल के शिवतेन रजा के रूप में हुई है। घटना तब हुई जब आरोपी युवक अपने पिता के साथ घरेलू विवाद कर रहा था।

ई-डीएआर बना सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए न्याय की नई राह...

सड़क हादसा के पीड़ितों ने पिछले तीन साल में ई-डीएआर में ऑनलाइन दर्ज किए 39 हजार मामले

केटी न्यूज/पटना

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) डाटाबेस तैयार कर रहा है। ताकि पीड़ितों को समुचित मुआवजा समेत अन्य लाभ समय उपलब्ध कराया जा सके। इसके अंतर्गत आई-आरएडी (एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस) और ई-डीएआर (ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) पोर्टल पर दुर्घटना के कारण, जांच और अन्य जानकारी को अपलोड किया जा रहा है। परिवहन विभाग के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में आई-आरएडी वेबसाइट पर सड़क दुर्घटना के कुल 39 हजार 162 मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें सबसे अधिक चार हजार 50 मामले पटना और दो हजार 30 मामले मुजफ्फरपुर जिले से दर्ज हुए हैं। अबतक लगभग 18 हजार मामलों को ई-डीएआर पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जिनमें से दो हजार मामले फॉर्म सात तक पहुंचे है। फॉर्म सात को ट्रिब्यूनल क्लेम पिटीशन माना जाता है। दरअसल, अगर किसी सड़क दुर्घटना पीड़ित की ओर से मुआवजा के लिए आवेदन नहीं किया गया है और ई-डीएआर के माध्यम से मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (मैक्ट) में डीएआर दायर है, तो इसे मुआवजा आवेदन मान कर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। इसके माध्यम से पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल रहा है।

आईआरएडी और ई-डीएआर से मिल रही है मदद : ई-डीएआर, आई-आरएडी का डिजिटल वर्जन है, जो सड़क दुर्घटना से संबंधित सभी जानकारी को एक जगह रखता है। सड़क सुरक्षा को बेहतर करने के लिए मोर्थ ने ई-डीएआर पोर्टल विकसित किया है। यह पोर्टल आई-आरएडी से जुड़ा हुआ है, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक जानकारी को सीधे ई-डीएआर पर भेजा जाता है। सभी जानकारी उपलब्ध होने से दस्तावेज की मांग बार-बार विभाग नहीं कर रहा है।

डाटाबेस तैयार करने के फायदे : ई-डीएआर पोर्टल पर सड़क दुर्घटना में शामिल वाहन, दुर्घटना की तारीख और एफआईआर की जानकारी दर्ज की जाती है। इससे दुर्घटना दावों के निष्पादन में मदद मिल रही है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटना के कारणों और हॉटस्पॉट्स की पहचान कर उनके समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय(मोर्थ) डाटाबेस तैयार कर रहा है। ताकि पीड़ितों को समुचित मुआवजा समेत अन्य लाभ समय उपलब्ध कराया जा सके। वहीं पूर्व में पीड़ितों को अपना सभी दस्तावेज जमा करने के लिए बार-बार थाना व परिवहन कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता था। वहीं इस पद्धती के आने के बाद इसमें बदलाव आया है। पीड़ितों को राहत मिली है।

संक्षिप्त समाचार

गिरीडीह में अवैध कोयला तस्करी पर कार्रवाई:सीसीएल ने कोयला लदी 9 बाइक की जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। गिरीडीह जिले में अवैध कोयला कारोबार पर सीसीएल ने बड़ी कार्रवाई की है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान में सीसीएल ने कोयला लदी 9 बाइक जब्त की है। सीसीएल परियोजना पदाधिकारी जीएस मीना के नेतृत्व में सुरक्षा विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान कोयला तस्कर अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। सभी जब्त बाइक को मुफ्फसिल थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अब बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करेगी। क्षेत्र में कोयला तस्कर बड़े पैमाने पर दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। वे बाइक पर कई क्विंटल कोयला लादकर लंबी दूरी तक ले जाते हैं। मुफ्फसिल थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त बाइक थाने में रखी गई है। सीसीएल की ओर से अज्ञात तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन मिला है। तस्कर इस कोयले को अवैध ईंट भट्ठों और होटलों में बेचते हैं।

नशे में स्कूटी सवार ने ली बच्चे की जान:गुमला में सड़क किनारे खेल रहे बच्चे को मारी टक्कर,

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। भरनो चट्टी मुख्य रोड पर रायकेरा गांव के पास नशे में धुत स्कूटी सवार ने सड़क किनारे खेल रहे 10 वर्षीय बच्चे को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चा काफी दूर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने से घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान रायकेरा गांव निवासी चारो उरांव के पुत्र रोशन उरांव के रूप में हुई है। वह स्थानीय सरकारी स्कूल में कक्षा 4 का छात्र था। स्थानीय लोगों ने आरोपी स्कूटी चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंचल प्रशासन ने तत्काल सहायता के तौर पर मृतक के परिवार को 5 हजार रुपए की राशि दी है। अंचल कर्मी राजीव रंजन ने अस्पताल पहुंचकर मृतक की मां फूलो उराईन को यह राशि सौंपी। प्रशासन ने आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अतिरिक्त सहायता देने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

झारखंड में बनेंगे 1117 हेल्थ सब सेंटर, 619 करोड़ रुपए आवंटित

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब गांव-गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूरे राज्य में 1117 हेल्थ सब सेंटर बनाए जाएंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए 619 करोड़ रुपए की राशि आवंटित कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा 164 सेंटर गिरिडीह जिले में तो 135 सेंटर धनबाद में खुलेंगे। वहीं रांची जिले में 49 हेल्थ सब सेंटर खोले जाएंगे। यहां प्राथमिक चिकित्सा की सभी सुविधाएं होंगी।हर सेंटर के भवन निर्माण में 55.50 लाख रुपए खर्च होंगे। इन सेंटरों के निर्माण की स्वीकृति 15वें वित्त आयोग के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए दी गई है। 15वें वित्त आयोग के लिए राज्य स्तरीय समिति की अप्रैल में हुई बैठक में इस योजना की स्वीकृति दी गई है। जबकि जून में योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि भी आवंटित कर दी गई। गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में कुल 4345 पंचायत हैं, जिनमें 2931 पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्र हैं और 167 पंचायतों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य या अनुमंडल अस्पताल हैं। निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं झारखंड ने 949 स्वास्थ्य सुविधा विहीन पंचायत होने की रिपोर्ट दी थी। यहां स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने की जरूरत बताई थी। इसके बाद 1117 सेंटर खोलने पर सहमति बनी थी।

संविधान के साथ-साथ आपके मताधिकार को भी समाप्त करना चाहती है मोदी सरकार: झामुमो

रांची, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वहां के वोटर लिस्ट का 25 दिनों के अंदर गहन पुनरीक्षण कराने के फैसला लिया गया है। इसके साथ ही आरएसएस नेता की ओर से संविधान से पंथनिरपेक्षता और समाजवाद हटा देने वाले बयान पर झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्रीय कैंप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि चुनाव आयोग और आरएसएस की संधि बनी हुई है।

जेएमएम महासचिव ने कहा कि देश से समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और नागरिक को मिले मताधिकार कैसे छीना जाए, इसका षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक तरफ सेंसस की बात हो रही है। वहीं दूसरी तरफ मतदाता का अधिकार छीनने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि आज %नो वोटर लेफ्ट बिहाइंड% निर्वाचन आयोग का स्लोगन है। लेकिन मतदाता को छोड़ कर बिहार में चुनाव हो, ऐसा तुगलकी फरमान आया है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार में लगभग 8 करोड़ बिहारी वोटर को मतदाता होने का प्रमाण देना होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कहती है आधार मान्य नहीं, मतदाता सूची का एपिक नंबर भी मान्यता नहीं होगी। 2003 के बाद के मतदाता को साबित करना होगा, निर्वाचक मंडल को प्रमाण देना होगा कि आपके माता-पिता का जन्म बिहार में हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि ये इसलिए हो रहा, क्योंकि बिहार में चुनाव है। उन्होंने कहा कि ये इसलिए हो रहा क्योंकि बीजेपी वहां अपनी निश्चित हार देख रही है।

आरएसएस के सह कार्यवाह का बयान दुखद: सुप्रियो : जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने आरएसएस के सह कार्यवाह के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और पंथ निरपेक्षता को हटा देना चाहिए आरएसएस नेता का यह बयान तब आया है जब 1976 में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना को संविधान की आत्मा बताया है। झामुमो नेता ने कहा कि मैं संविधान की प्रस्तावना से पंथनिरपेक्ष और समाजवाद हटाने की मांग करने वाले आरएसएस नेता होसबले से पूछना चाहता हूं कि आप भारत के संविधान को मानते हैं या नहीं।

जेएमएम नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि संविधान समानता की बात करता है, पंथनिरपेक्षता की बात करता है। पंथ धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि 1973 में सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया उसमें प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग बताया गया है। उन्होंने सरकार की ओलचना करते हुए कहा कि आज बजार में नया शब्द आया है। समाजवाद की जगह अब नमो अंबानी अदाणी व्यवस्था चलेगी।

भाजपा अपने विरोधियों को मताधिकार से रोकना चाहती है: झामुमो : झामुमो नेता ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि भाजपा की चाहत है कि जो भाजपा और संघ को समर्थन करेगा, उसको मताधिकार प्रयोग का अवसर मिलेगा। यह संविधान के साथ-साथ हमारे मताधिकार पर भी हमला है और दोनों हमले एक साथ करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि मुसलमान, ईसाई, दलित, ओबीसी, आदिवासी का वोट को कम हो, इसलिए चुनाव आयोग ऐसे-ऐसे कागजात मतदाता सूची सहन पुनरीक्षण के नाम पर मांगे हैं, जो 90 प्रतिशत ग्रामीण आबादी के पास नहीं होगा।

जेएमएम नेता ने कहा कि एक महीने का समय वाला फरमान देना ये एनडीए की हताशा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र की सरकार, पूरी तरह से व्यवस्था को पंगु बनाना चाहती है। जिससे की सारी शक्ति मुट्ठी भर लोगों के पास हो, जो अपना नेता बीजेपी को मानते हैं। जेएमएम नेता ने कहा कि अब ईडी नहीं आने वाला, अब ईसी आ रहा है, जो गंभीर समस्या है।

अगस्त से झारखंड में भी मतदाता सूची पुनरीक्षण का खेल शुरू होने की संभावना: सुप्रियो : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि उनको पक्की जानकारी है कि झारखंड में भी यह खेल होने जा रहा है। जिनका लक्ष्य है लोगों के निर्वाचक मंडल में कम से कम मताधिकार का प्रयोग हो। लेकिन यहां कोई चालाकी नहीं चलेगी, देश संविधान से चलेगा। शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है। उन्होंने कहा कि जब वह अस्पताल देखने गए थे, तब वह सो रहे थे।

लातेहार में मूसलाधार बारिश का कहर:बेतला के शिव नाला का पुल टूटा, 6 गांवों का संपर्क कटा

लातेहार, एजेंसी। लातेहार में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बेतला पंचायत के कुटमू-सरईडीह मार्ग पर शिव नाला में आई बाढ़ से 30 फीट लंबा पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल के बीच का स्लैब टूट गया है। इससे पोखरी कला, कोलपुरवा सहित आधा दर्जन गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

किसानों को उड़द और मक्का की बुवाई में परेशानी हो रही : करीब 2000 से अधिक लोग प्रभावित हो गए हैं। लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। किसानों को उड़द और मक्का की बुवाई में परेशानी हो रही है। धान का बीज डालना भी मुश्किल हो गया है। मक्का और सूरजमुखी की फसलें प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दो जुलाई तक बारिश जारी रहेगी। अगले चार दिन रोजाना बारिश की संभावना है। कुएं, तालाब और नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। कई इलाकों में घर गिरने की सूचना है।

सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया है : ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर कीचड़ जम गया है। पानी टंकी से पांडेय पूरा, केंद्रीय विद्यालय से मोंगर और चटनाही से नवोदय विद्यालय तक की सड़कें जर्जर हो गई हैं। सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया है। इससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

बिहार चुनाव 2025 में सीटों के बंटवारे को लेकर झारखंड में राजनीति तेज, बीजेपी ने कसा तंज

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव भले ही बिहार में हों मगर इसको लेकर झारखंड में सियासत जरुर गर्म है। दरअसल इंडिया गठबंधन में सीटों को लेकर चल रही खींचतान पर भाजपा की नजर है। उसे उम्मीद है कि बिहार में इंडिया गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर होने वाला बिखराव का फायदा कहीं न कहीं झारखंड की राजनीति में भी होगा। शायद यही वजह है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को बिहार में गठबंधन के अंदर तरजीह नहीं मिलने पर भाजपा भी दुख जताने लगी है।

बिहार में जेएमएम को तरजीह नहीं- बीजेपी : बिहार भाजपा के सह प्रभारी दीपक प्रकाश के बाद पार्टी के पूर्व विधायक अमित मंडल ने कांग्रेस और राजद के रुख की आलोचना करते हुए कहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को यूज एंड थ्रो के रुप में यह महागठबंधन देख रही है। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा को कांग्रेस और राजद द्वारा ठेंगा दिखाए जाने का अंदेशा जताते हुए कहा कि जिस तरह से झारखंड में जेएमएम बड़े भाई की भूमिका में है। उसी तरह से बिहार में राजद है। जाहिर तौर पर जेएमएम को छोटा भाई मानते हुए वहां उसे सीटें मिलनी चाहिए। मगर कांग्रेस और राजद, जेएमएम को तरजीह नहीं दे रही हैं। जबकि झारखंड से सटे सीमावर्ती जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में जेएमएम की पकड़ भी है।

कांग्रेस गन्ने की तरह चूसकर फेंक देती है : दीपक प्रकाश ने कहा कि जिस तरह से संताल में कांग्रेस की गतिविधि बढ़ने के बाद अंतर्कलह बढ़ा है उससे लग रहा है कि सबकुछ ठीक नहीं है और कांग्रेस की नीति भी रही है कि गन्ना की तरह चूसकर क्षेत्रीय दल को वह फेंक देती है।

श्रम और उद्योग विभाग को डमी बनाकर रख दिया गया- अमित मंडल : बीजेपी नेता और पूर्व विधायक अमित मंडल ने राज्य सरकार के कामकाज पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि श्रम और उद्योग विभाग को डमी बनाकर रख दिया गया है। विभाग के मंत्री को किनारे किए जाने का आरोप लगाते हुए अमित मंडल ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री विदेश दौरे में नहीं ले गए और हाल में जमशेदपुर में मुख्य सचिव की मौजूदगी में हुई बैठक में उन्हें नहीं बुलाया गया।

युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा : ऐसी स्थिति में राज्य में लगे उद्योग को देखने वाला कौन है? मुझे लगता है कि झारखंड सरकार के अधीन उद्योग मंत्रालय पूर्णतः फेल है। यदि उद्योग मंत्रालय देखने के योग्य नहीं है तो मुख्यमंत्री को हस्तक्षेप करनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात किया है कि न तो मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में यह है और न ही उद्योग मंत्री को इससे मतलब है। आखिर निजी क्षेत्र में युवाओं को कैसे रोजगार मिलेगा और राज्य में उद्योग धंधे कैसे बढ़ेंगे यह सोचने वाली बात है।

महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगा की सदा सुहागिन की कामना

चाईबासा, एजेंसी। सदर बाजार स्थित काली मंदिर में शनिवार को मां विपदतारिणी की पूजा-अर्चना भक्तिभाव से की गई। इस दौरान महिलाओं ने मां दुर्गा के विपदतारिणी रूप के आगे मत्था टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने एक-दूसरे की मांग में सिंदूर लगाकर सदा सुहागिन बने रहने आशीर्वाद दिया। पुजारियों ने भी श्रद्धालु महिलाओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर हर विपदा से दूर रहने का आशीर्वाद दिया। पूजा का आयोजन सदर बाजार के श्री श्री काली मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा किया गया। मां की पूजा हर साल महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा और उनके रथ के पूर्ण यात्रा के बीच में पड़ने वाले शनिवार और मंगलवार के दिन की जाती है। इससे पूर्व महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर विपदतारिणी व्रत रखा।

पूजा मुख्य पंडित दिव्येन्दु राय तथा सहयोगी परिमल गांगुली, अनूप मुखर्जी, नाडू गोपाल राय द्वारा पूरे विधि- विधान से संपन्न कराई गई। इस पूजा में तेरह किस्म की सामग्री और उस सामग्री को तेरह की गिनती से गिनकर मां का भोग लगाया जाता है। भोग में पूड़ी, पुआ, पान, सुपारी, लांग इलायची, मूंगदाल, फल, खीर, मिष्ठान, चेरी इत्यादि से भोग लगाया जाता है।

इस पूजा में सुहागिन महिलाएं सारा दिन उपवास करती हैं। यह पूजा परिवार के मंगल के लिए और परिवार को आपदा से रक्षा के लिए की जाती है। मां विपतारिणी की पूजा-अर्चना करने के लिए काली मंदिर में शनिवार सुबह से ही महिलाएं, पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

महिलाएं व्रत रखकर मां के दरबार में पहुंची पूजा- अर्चना की साथ ही मन्नतें भी मांगी। पूजा के उपरांत व्रतियों अन्य भक्तों के बीच में मां का प्रसाद वितरण किया गया। मां विपदतारिणी पूजा का सफल संचालन राय परिवार के सदस्यों की देख-रेख में संपन्न हुआ।

अंडर-12 बालक वर्ग में सदर प्रखंड ने जीता खिताब

चाईबासा, एजेंसी। राज्य परियोजना निदेशक, कार्यालय के आलोक में जिला स्तरीय अंडर-12 प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल टूर्नामेंट 2025-26 प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट +2 जिला स्कूल, चाईबासा मैदान में आयोजित हुआ। झारखंड शिक्षा परियोजना (समग्र शिक्षा) पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिला के 18 प्रखंडों की विजेता टीमों ने शिरकत की। जिसमें बालक वर्ग से 14 व बालिका वर्ग से 10 टीमों ने भाग लिया। फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, जिला शिक्षा परियोजना के एडीपीओ शिव कुमार मल्लिक एवं एपीओ सुभाष हेम्ब्रम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला स्तरीय प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-12 बालक वर्ग में सदर प्रखंड, चाईबासा की टीम एवं हाटगम्हरिया के बीच में फाइनल मुकाबला का मैच खेला गया। जिसमे सदर, चाईबासा की टीम विजेता रही। वही बालिका वर्ग में फाइनल मुकाबला सदर, चाईबासा एव कुमारडुंगी के बीच खेला गया। जिसमें कुमारडुंगी प्रखण्ड की टीम ने खिताब अपने नाम किया। दोनों फाइनल मुकाबलों के उपरांत मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की के हाथों विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में प्रदीप कुमार, प्रतिमा कलुंडिया या, मनीषा सुंडी, सुन्दर लाल देवगम, शिव शंकर प्रधान, स्वीटी कुमारी, मुकेश कुमार, भूपेन्द्र कुमार, शिवानी सिहं तिरिया, चिंता कुमारी, सुशील सिंकू, मानकी कुदादा एवं अन्य फुटबॉल आफिशियल की भागीदारी रही।

नदी किनारे जमीन में गड़ा बच्चे का शव मिला:गिरिडीह के नवडीहा में मची सनसनी, बच्चे की उम्र लगभग 10 साल, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित नवडीहा ओपी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार सुबह दमगी उसरी नदी पुल के नीचे एक 10 वर्षीय बच्चे का शव जमीन में गाड़ा हुआ मिला। शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए।

जानवरों के मंडराने पर हुआ शक: बताया जा रहा है कि सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए नदी की ओर गए थे। उसी दौरान उन्होंने पुल के नीचे रखे बड़े-बड़े पत्थरों के पास कुछ जानवरों को मंडराते हुए देखा। पास ही से तेज दुर्गंध भी आ रही थी। जब लोगों ने वहां जाकर देखा तो शक हुआ कि वहां कुछ गड़बड़ी है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हो-हल्ला किया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही नवडीहा ओपी प्रभारी दीपक कुमार और जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने खुदाई कर शव को जमीन से बाहर निकाला। शव को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मृत बच्चा करीब 10 वर्ष का है। हालांकि, उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

बच्चे की पहचान की हो रही कोशिश : घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है। बच्चे की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल बच्चे की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। साथ ही आसपास के थानों से लापता बच्चों की सूचना भी मंगवाई जा रही है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की बात कही गई है।

बरवाडीह में 3 किमी सड़क पर 100 से अधिक हैं गड्ढे

बरवाडीह, एजेंसी। बरवाडीह-लंका-बांसडीह मार्ग जर्जर रहने से लोगों को परेशानी हो रही है। तीन किमी लंबी इस सड़क पर 100 से अधिक छोटे-बड़े गड्ढे हैं। सामान्य दिनों में चलना मुश्किल है। बारिश में जलजमाव से हालात और खराब हो गए हैं। लोग रोज दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। इस सड़क के निर्माण के लिए डेढ़ साल पहले ग्रामीण कार्य विभाग ने टेंडर निकाला था। वह अब तक फाइनल नहीं हो सका है।

रोजाना इस सड़क से छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसकी चिंता न तो विभाग के अधिकारियों को है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को। नतीजतन मौजूदा समय में इस सड़क मार्ग से आम लोगों का सफर भगवान भरोसे हो गया है। इस संबंध में आरईओ के कार्यपालक अभियंता ओम प्रकाश बड़ाईक ने कहा कि इस सड़क की निविदा हो चुकी है। अब तक कार्य आवंटित नहीं हुआ है। वर्तमान स्थिति की जानकारी नहीं है।

बरवाडीह-लंका-मंगरा मार्ग के पांच किमी हिस्से के निर्माण के लिए ग्रामीण कार्य विभाग (आरईओ) ने फरवरी 2024 में 7 करोड़ 74 लाख की लागत से निविदा निकाली थी। बाद में इसे रद्द कर दिया गया। जून 2024 में फिर से निविदा निकाली गई।

अब तक कार्य आवंटित नहीं हुआ है। इससे बभंडी, चमरडीहा, लंका, बांसडीह, कोकडु, पीढहे समेत दर्जनों गांव के लोगों की उम्मीदें अधर में लटकी है। ग्रामीण स्थानीय विधायक से सड़क निर्माण कराने की मांग कर रहे हैं।

विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि सरकार के माध्यम से प्रखंड की कई सड़कों की मंजूरी दिलाई गई है। यह सड़क भी उनमें शामिल है। बरसात के बाद हरहाल में निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

सुभाषितम्

जब तक हम स्वयं निरपराध न हों तब तक दूसरों पर कोई आक्षेप सफलतापूर्वक नहीं कर सकते। - सरदार पटेल

जगन्नाथ की त्रिभुवन में महिमा

जगन्नाथ भगवान रथ पर आरूढ़, भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करने वाले नीलांचल अर्थात पुरी में निवास करने वाले नारायण श्री हरि कृष्ण स्वरुप जगत कल्याण के लिए रथ पर सवार होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते है। कृष्ण नाम तो मोक्ष प्राप्ति का सहज एवं सरल मार्ग है। भक्तों के संरक्षक पालनकर्ता भाई बलभद्र और लाड़ली सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकले है। सनातन धर्म में चार धाम यात्रा का उल्लेख है, जिनमें चार स्थान श्री हरि विष्णु नारायण ने विभिन्न कार्यों के लिए चयनित किए है। उत्तर में बद्रीनाथ में प्रभु की ध्यान स्थली है। दक्षिण में रामेश्वर में प्रभु स्नान करते है। पश्चिम में द्वारिका में विश्राम करते है एवं पूर्व में जगन्नाथ पुरी में भोजन ग्रहण करते है। प्रभु ने भक्तों के मनोरथ पूर्ण करने के लिए और असीम श्रृद्धा भक्ति के लिए चारों दिशाओं को चयनित किया है जिससे भक्त सहज ही ईश्वरीय आराधना से जुड़ सकें। विष्णु श्री हरि नारायण वही स्वरुप है जो कृष्ण बनकर देने पर आ जाए तो तीन मुट्ठी चावल में तीनों लोक प्रदान कर दे और जब वामन स्वरुप में आ जाए तो तीन पग से तीनों लोक नाप ले। प्रभु की प्रत्येक लीला भक्त के ईश्वर के प्रति असीम विश्वास को उजागर करती है। जगन्नाथ पुरी धाम में प्रथम भवन नीलांचल है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ निवास करते है और दूसरा है सुन्दरांचल जिसमें गुंडीचा मंदिर है। भगवान जगन्नाथ स्वरुप में भक्तों के भाव वाला भोजन ग्रहण कर उन्हें भावों की माला से जोड़ते है। अपनी माया से छप्पन भोग प्रकट करने वाले जगत के नाथ जगन्नाथ भक्त के अनुग्रह पर भोग ग्रहण कर तृप्ति का अनुभव करते है। प्रभु के विभिन्न स्वरुप में प्रत्येक समय ईश्वर की असीम भक्ति से जुड़ने का सन्देश देते है। नीलांचल में विराजमान भगवान जगन्नाथ सभा का आयोजन भी करते है, बीमार भी होते है, औषधि ग्रहण करते है, शरीर त्यागते है, नवीन शरीर ग्रहण करते है और यदि भक्त दर्शन का अभिलाषी हो तो भगवान अपनी दिनचर्या भी परिवर्तित कर देते है। एकादशी के दिन चावल में निवास करने वाले पाप से जगन्नाथ धाम में भक्तों को मुक्त करते है और दैनिक दिनचर्या अनुरूप चावल की खिचड़ी और व्यंजनों का प्रसाद स्वीकार ग्रहण करते है। ब्रह्म तत्व धारण करने वाले भगवान जगन्नाथ भक्तों की पुकार पर स्वयं अपने गर्भ गृह से निकलकर जन सामान्य के बीच आते है। ईश्वरीय लीला कभी भी अकारण नहीं होती, वह तो विधि का विधान होती है जिसमें भक्त का हित और गहरी ईश्वरीय आस्था निहित होती है। जिनकी ईच्छा के बिना पुष्प नहीं खिल सकते एक तुच्छ तृण भी गंतव्य नहीं हो सकता उन प्रभु की रथ यात्रा को भक्त गंतव्य तक पहुंचाते है। यह सब सृष्टि के नियामक चक्र में कितनी मनोहारी और अनोखी लीला है भगवान जगन्नाथ की। कुछ समय के लिए प्रभु बीमार हो जाते है, औषधीय काढ़ा ग्रहण करते है और लाड़ली सुभद्रा के अनुग्रह पर अपनी मौसी गुंडीचा के घर पर निवास करते है। जगन्नाथ भगवान वही श्री कृष्ण का स्वरुप है जो माँ को मातृत्व सुख प्रदान करने के लिए अनूठी लीलाएँ करते है। कभी काल कोठरी में बंद कर दिए जाते है तो कभी रस्सी से बाँध दिए जाते है, तो फिर भला मातृ तुल्य मासी का आग्रह कैसे अस्वीकार कर सकते है। मौसी अपने दुलारे को प्रत्येक प्रकार से मिष्ठान भोग, दूध, रबड़ी, माखन परोसकर अपने प्रेम अनुराग में कहीं भी न्यूनता नहीं होने देती है। मौसी के मनुहार के पहले जगन्नाथ भगवान जन सामान्य के कष्टों का भी निवारण करते है और भक्तों के दर्शन प्रदान कर असीम भक्ति की क्षुधा को शांत करते है। मौसी के घर पहुँचने पर मीठी मनुहार हो सहर्ष स्वीकार करते है, मौसी अपने लाडलों की प्रतीक्षा में एकटक रास्ता निहारती रहती है। करुणा के सागर भक्त की ईच्छा को पूर्ण न करें यह संभव नहीं है, इसीलिए लाड़ली सुभद्रा और मातृ तुल्य गुंडीचा मौसी दोनों की इच्छा? भगवान जगन्नाथ पूरी करते है। जगन्नाथ भगवान का नगर भ्रमण भक्तों में अनूठे उत्साह का संचार करता है। भक्तों की आतुरता और भक्तों का सैलाब प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़ता है। रथ पर आरूढ़ भगवान जगन्नाथ के दर्शनाभिलाषी सुदूर स्थानों से एकत्र होते है। प्रभु की छवि के दर्शन का सौभाग्य विरलों को ही मिलता है। रथ खींचने की होड़ में भक्ति की असंख्य श्रृंखला अविराम प्रतीक्षा करती है। जगन्नाथ रथ यात्रा कोई सामान्य रथ यात्रा नहीं है बल्कि जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त करने वाली असंख्य पापो को क्षण में नष्ट करने वाली साक्षात मोक्ष प्राप्ति और अनंत आस्था का द्वार है।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए।

नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत दुनिया की 18% आबादी और मात्र 4% ताजे जल संसाधनों के साथ गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, असंतुलित खेती, और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बावजूद कार्यान्वयन और जनभागीदारी की कमी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना, जल की कीमत तय करना, और पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाना समय की मांग है। जब तक नीति, व्यवहार और चेतना एकसाथ नहीं बदलते, तब तक जल संकट भारत के भविष्य को चुनौती देता रहेगा। भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18% जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4% ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं – तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है – लगभग 25% भूजल अकेले भारत निकालता है। 11% से अधिक भूजल खंड अत्यधिक दोहित यानी झ्प्१-७स्र'झ्शी की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70% जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं – यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को ऊंट'१झ का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाजे पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं। सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं – राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान – पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है – हमारी नीतियाँ जमीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता। आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार टरढ और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा – भूजल का तेजी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 9% खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं – क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है। शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बबादी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुनः उपयोग (१ीुं'ल्लॅ) और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल प्राकृतिक समस्या समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से ह्यनीतिगत और नैतिकह्व संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ गहन और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए – चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बबार्दी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है। दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर जमीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है। चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की जरूरत है। यह तभी होगा जब टरढ का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की जरूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें। पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं ६२३१६३१ को १ीु'ी नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को कीमती माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा – जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए। जल शक्ति मंत्रालय को केवल नल जोड़ने वाला मंत्रालय नहीं, जल नीति, जल शिक्षा और जल चेतना का नेतृत्व करना होगा।

आदिवासियों के समस्त विद्रोहों की गौरव गाथा

- सुरजीत झा,

सन 1757 में ब्रिटिश राज की शुरूआत के बाद शायद ही कोई ऐसा दशक गुजरा जिसमे आदिवासी इलाकों में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह ना हुआ हो। दस्तावेजों के मुताबिक सन 1757 से 1947 के बीच 15 से भी ज्यादा आदिवासी विद्रोहों का सिलसिला काफी लंबे समय तक चला। ब्रिटिश राज के खिलाफ जेहाद छेडनेवाली सबसे पहली जनजाति "पहाड़िया" थी। ऐतिहासिक दस्तावेजों से पता चलता है कि अंग्रेजों ने सन 1765 में संताल परगना क्षेत्र की दीवानी मुगल बादशाह से खरीद ली। अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध रमना आहड़ी नामक एक पहाड़िया सरदार ने सन 1766 में संघर्ष का बिगुल फूंका और अपने अनुयायियों के साथ युद्ध मे वीरतापूर्वक अंग्रेजों का सामना किया। लेकिन, अंततः अंग्रेजों को विजय हासिल हुई और रमना आहड़ी की हत्या कर दी गयी। सन 1772 में करिया पुजहर के नेतृत्व में पहाड़ियों और अंग्रेजो के बीच उधवानाला के निकट ऐतिहासिक संग्राम हुआ।पहाड़ियों के हाथों शर्मनाक पराजय के बाद अंग्रेजों ने कूटनीति का सहारा लिया और सुनियोजित ढंग से पहाड़िया जनजाति बहुल इलाके में संथालों को बसाना प्रारम्भ किया। बाद में अंग्रेजों ने इन भोले- भाले संथालो को उकसाकर पहाड़ियों से लड़वा दिया। संथालों से परास्त होने के बाद पहाड़ियों को आत्मरक्षार्थ पहाड़ पर शरण लेना पड़ा। उन्ही दिनों तिलकामांझी के नेतृत्व में संताल परगना के ही आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार के खिलाफ एक और विद्रोह किया था। लेकिन, तिलकामांझी का विद्रोह पहाड़िया विद्रोह से भिन्न था। तिलकामांझी के संगठन का मुख्य काम विदेशी हुकूमत द्वारा लूटकर ले जानेवाली सामग्री और धन को छीनकर गरीब लोगों में बांट देना था। 1780-85 के दौरान हुआ यह विद्रोह अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ दूसरा आदिवासी विद्रोह था। युद्ध में तिलका मांझी ने अंग्रेज फौज के जनरल क्विसलैंड को जहरीले तीर से मार डाला। अपने जनरल की मौत से घबड़ाकर अंग्रेज फौज भाग खड़ी हुई। दूसरी तरफ तिलकामांझी की सेना विजय के उल्लास में हंड़िया पीकर बेसुध था। उसी समय अंग्रेजी सेना ने पूरी तैयारियों के साथ फिर धावा बोला। तिलका मांझी की सेना अंग्रेजों का सामना नहीं कर पाई और तिलका माँझी पकड़ लिए गए। मांझी को चार घोड़ों के पांव में बाँधकर भागलपुर ले जाया गया। अंत में बेरहमी और नृशंषता से उन्हें फांसी दे दी गयी।

छोटानागपुर तथा सिंहभूम जिला में रहनेवाले "होस" जनजाति के लोगों ने 1820-21 में विद्रोह किया तब, जब उनकी भूमि को उनके मुखिया लोगों से छीनकर मुस्लिम तथा सिख कृषकों में बांट दी गयी। होस जनजाति ने अपने मुखियाओं के समर्थन में पोरहाट नामक जगह पर एकजुट होकर विद्रोह कर दिया। किन्तु पराजित होकर उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि वे नए जमींदारों को कर देंगे, बाहरी लोगों को अपने क्षेत्र में बसने का विरोध नहीं करेंगे तथा अंग्रेजों को अपना शासक मानेंगे। होस विद्रोह की असफलता के बाद मैदानी लोगों को आदिवासियों की जमीन के पुश्तैनी अधिकार मिलने लगे और इस प्रवृत्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गयी। ततपश्चात 1822 में चावल की कम नशीली शराब पर अंग्रेजी सरकार ने उत्पादन शुल्क लगा दिया, जिसे आदिवासी अपने उपयोग के लिए तैयार करते थे। 1880 में प्रतिघर के हिसाब से 25 पैसा कर लगा दिया गया। इससे अदिवासियों में बेचैनी बढ़ती गयी और छोटानागपुर के कोल आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया। 1881 के करीब शुरू हुआ यह विद्रोह छोटानागपुर के अलावा सिंहभूम इत्यादि क्षेत्रों में व्यापक रुप से फैल गया। कोल आदिवासी अनाज और पशुओं को लेकर जंगलों में जा बसे और वहीं से अपना संघर्ष जारी रखा। इस संघर्ष में अंग्रेजों के 4000 के लगभग मकान तथा कई कचहरियों को जला दिया गया। सैकड़ों कोल आदिवासियों का कत्ल करने के बाद ही ब्रिटिश शासन वहां फिर से सत्तासीन हो सकी। इस विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने कोल विद्रोह से प्रभावित इलाकों के लिए "दक्षिणी-पश्चिमी सीमांत एजेंसी" नामक एक अलग इकाई की स्थापना की। आदिवासियों के विद्रोह में संथालों का विद्रोह सबसे जबरदस्त था। संथाल विद्रोह में तत्कालीन बिहार, पश्चिम बंगाल तथा कलकत्ता से लगभग 100 मील दूर तक के क्षेत्र शामिल थे। मूल रूप से यह विद्रोह भूमि कर अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले दुर्व्यवहार तथा जमींदार, साहूकार आदि द्वारा किये जानेवाले अत्याचार के खिलाफ था । जब संथालों के आर्थिक एवं शारीरिक अत्याचार व शोषण ने सारी सीमाएं पार कर दी तब उन्होंने विद्रोह की योजना बनाई। सिदो और कान्हू के रूप में संथालों को दो नेता भी मिल गए। इन दोनों नेताओं ने संथालों को विश्वास दिलाया कि अंग्रेजी राज्य का अंत अवश्यम्भावी है। सिदो तथा कान्हू के नेतृत्व में 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह में करीब 6000 आदिवासी प्रतिनिधि इकट्ठा हुए और सभा की। बैठक में एक स्वर से निर्णय लिया गया कि बाहरी लोगों को भगाने, विदेशियों का राज्य हमेशा के लिए खत्म करने तथा सतयुग का राज स्थापित करने के लिए खुला विद्रोह किया जाए। सभी आदिवासी बहुल गावों में विद्रोह के सन्देश भेजे जाने लगे। सिदो तथा कान्हू ने गांव-गांव घुमकर संथालों को संघर्ष के लिए तैयार कर लिया। बहुत जल्द ही उन्होंने करीब 60000 हथियार बन्द संथालों को एकत्र कर लिया। ततपश्चात संथालों ने जमींदारों और महाजनों पर हमला बोलना शुरू कर दिया।

इस विद्रोह ने अंग्रेजों को इतना भयभीत कर दिया कि उसे कुचलने के लिए उन्होंने बर्बरता की सारी सीमाएं तोड़ दीं। मेजर जनरल के नेतृत्व में विद्रोह को दबाने के लिए दस टुकड़ियाँ भेजी गयीं। सेना ने बहुत संथाल गांवों को लूटा व उनमें आग लगा दी। 15000 से अधिक सन्थाल मारे गए। राजमहल की पहाड़ियां संथालों के खून से लाल हो गयी, लेकिन फिर भी संथाल लड़ते रहे। अंततः अगस्त 1855 में सिदो पकड़ा गया और मार डाला गया। कान्हू भी फरवरी 1856 में पकड़ा गया। इसके बाद संथालों के हौसले पस्त हो गए और विद्रोह को दबा दिया गया। संथाल विद्रोह के समान एक और विद्रोह रांची के निकट रहने वाले "मुंडा" जनजाति के लोगों ने 1899-1900 के दौरान किया था। बिरसा मुंडा नामक एक 20 वर्षीय उत्साही युवक ने मुंडा जनजाति का नेतृत्व सम्भाला। उसने अपने आपको भगवान का दूत बताया। उसने अपनी बातों को समझाने के लिए छोटी-छोटी बैठक और सभाओं का सहारा लिया। देखते ही देखते वे एक सफल उपदेशक व वक्ता बन गए। हजारो आदिवासी उन्हें देखने-सुनने आने लगे। सन 1899 तक अपने अथक प्रयासों से बिरसा ने 6000 समर्पित मुंडाओं का एक दल तैयार कर लिया। अंग्रेजों के राजनीतिक प्रभुत्व को समाप्त करना, सभी बाहरी तथा विदेशी तत्त्वों को बाहर निकालना एवं स्वतंत्र मुंडा राज्य की स्थापना करना इस दल का प्रमुख उद्देश्य था। सन 1899 में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बिरसा ने विद्रोह का आह्वाहन कर दिया। लगभग 6000 मुंडा तीर, तलवार, कुल्हाड़ी तथा अन्य हथियारों से लैस होकर बिरसा मुंडा के साथ हो लिए। मुंडा ने ठीकेदारों, जागीरदारों, हाकिमों और ईसाइयों का कत्ल करने का आह्वाहन किया।

कोर्ट मैं ऑनलाइन फाइलिंग सुनवाई, गवाही, और फैसले

- सनत जैन

भारतीय न्यायपालिका ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुकदमों की ऑनलाइन सुनवाई और फैसले के नियम तैयार किये हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन सुनवाई सभी कोर्ट में उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव सचदेवा के निर्देश पर ई-कमेटी ने हाईकोर्ट एवं जिला कोर्ट में सुनवाई के लिये निगम तैयार कर लिये है। ई-सुनवाई 2025 के नियम की अधिसूचना विधि मंत्रालय से जारी होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक, संचार माध्यम तथा आडियो-वीडियो के माध्यम से सुनवाई और फैसला करने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। न्यायपालिका का यह बदलाव न केवल तकनीकी क्रांति है, बल्कि एक पारदर्शी, त्वरित और सुगम न्याय व्यवस्था की ओर बढ़ता कदम है। कोरोना महामारी के समय शुरू हुई वर्चुअल सुनवाई अब न्याय पालिका में स्थायी व्यवस्था का रूप ले रही है। ग्रामीण, पिछड़े और दूरदराज क्षेत्रों के नागरिकों को कोर्ट के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। न्याय पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार भी कम होगा। न्याय जल्द मिलने की संभावनाएं बढ़ेगी। न्यायालयों में ऑनलाइन सुनवाई से वकीलों और न्यायाधीशों का समय बचेगा। मुवक्किलों को भी इससे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक बोझ कम होगा। कोर्ट परिसर की भीड़, तारीख पर तारीख का सिलसिला, और केस की लंबी प्रक्रिया कम होगी। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी, संचार तकनीक के माध्यम से मुकदमो की ट्रैकिंग, ई-फाइलिंग, फैसलों की त्वरित उपलब्धता, न्याय में पारदर्शिता और संबंधित पक्षों की जवाबदेही मजबूत होगी। इस डिजिटल एवं ऑनलाइन प्रक्रिया मे कुछ चुनौतियां भी हैं। जैसे साइबर सुरक्षा, डेटा की गोपनीयता और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित पहुंच है। यह एक अच्छी बात है कि अब सेटेलाइट के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा जल्द उपलब्ध होने जा रही है। भारत सरकार ने इसके लिए लाइसेंस भी जारी किए हैं। इससे निर्बाध रूप से इंटरनेट सुविधा मिलेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बिना किसी रूकावट के न्यायालयीन कार्यवाही संभव होगी। न्याय के मानवीय पहलुओं को केवल तकनीक के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। तकनीकी साक्षरता का अभाव एक बड़ी बाधा है, आम आदमी इसमें धोखाधड़ी का शिकार भी हो सकता है। डिजिटल एवं ऑनलाइन प्रक्रिया में सरकार और न्यायपालिका को प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाना होगा। ताकि यह व्यवस्था सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। ऑनलाइन न्यायालयीन प्रक्रिया 21वीं सदी के भारत में न्यायपालिका को विश्वस्तरीय और बेहतर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। बशर्ते तकनीकी ढांचा मजबूत हो, न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए। आम जनता को इस नवीन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। ह्यडिजिटल इंडिया को न्यायिक प्रणाली में लागू कर, न्यायपालिका जहाँ ह्यसस्ता, सुलभ और समयबद्ध न्याय को सपना नहीं, बल्कि यथार्थ में लाने के लिए आम जनता को इससे जोड़ने की जरूरत है।

आज का राशिफल

- **मेष** तरक्की से भरा होने की उम्मीद है। शुभ ग्रह आपके पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि कर रहे हैं।
- **तुला** आज थोड़ा सोचसमझकर काम करें। आप जोखिम लेने के मूड में हो सकते हैं।
- **वृषभ** मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़े लोगों के लिए लाभ के संकेत दे रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा है।
- **वृश्चिक** दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उत्तराधिकार से जुड़ा विवाद गहराने की संभावना है।
- **मिथुन** दिन लाभ के संकेत दे रहा है। विवेक से कार्य करने पर आपको मनचाहा लाभ होगा।
- **धनु** दिन प्रतियोगिता में भाग लेने या परीक्षा से संबंधित किसी प्रयास के लिए उपयुक्त है।
- **कर्क** आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको करियर और प्रतिष्ठा में वृद्धि का संकेत मिल रहा है।
- **मकर** दिन उत्साह और मनोबल से परिपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो अड़चनें थीं, वह दूर होती दिखाई देंगी।
- **सिंह** आज दिन तरक्की से भरा होगा। व्यापारिक और व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत लाभदायक है।
- **कुंभ** आज ऊपर कार्यभार अत्यधिक रहेगा और आप एक साथ कई कार्यों में उलझे रह सकते हैं।
- **कन्या** दिन तरक्की से भरा रहने की उम्मीद है। ग्रहों की शुभ दृष्टि के कारण पक्ष उभर कर सामने आएगा।
- **मीन** आज धन और व्यवसाय दोनों दृष्टि से शुभ है। व्यवसाय में विस्तार के अवसर मिलेंगे।

विशेष

रूस और चीन को युद्ध का सबसे बड़ा फायदा

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच युद्ध का सबसे ज्यादा लाभ रूस को हुआ है। रूस ने इजराइल और ईरान युद्ध के दौरान ईरान को कोई विशेष मदद नहीं पहुंचाई,समर्थन जरुर दिया। उसके बाद भी इस युद्ध का सबसे ज्यादा फायदा रूस को हुआ है। रूस का तेल आसानी से निर्यात हो रहा है। ईरान ने होमुर्ज स्टेट को रूस के लिए खोल रखा है। भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाने का निर्णय कर लिया है। रूस का तेल बिक रहा है, रूस की अर्थव्यवस्था तेल के कारण मजबूत हो रही है। रूस से ईरान को वह सहायता नहीं मिल रही है,जो वह चाह रहा था।

राहुल गांधी जानकारी मिलने के बाद चुनाव आयोग से मिलेंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर तीन मांग रख दी हैं। जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र की 2024 की फाइनल वोटर लिस्ट की डिजिटल कॉपी मांगी है। 1 घंटे में कैसे 8 फीसदी मतदान बढा है,मतदान केंद्र के बाहर के वीडियो फुटेज मांगे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की विधानसभा क्षेत्र के जो वोटर 6 माह में बढे हैं। उनकी जानकारी मांगी है। जानकारी मिलने के बाद तथ्यों के साथ राहुल गांधी चुनाव आयोग के पास बातचीत करने के लिए जाएंगे। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी द्वारा लिखी गई 12 जून की चिट्ठी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 24 जून की चिट्ठी पर क्या प्रतिक्रिया देंगे, इसे आसानी से समझा जा सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1799 मैसूर के कृष्ण राजा वड़ेयार गद्दी पर बैठे. 1855 संथालों का अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह हुआ. 1956 युनाइटेड जीसी-7 जेट व डब्ल्यू - ए सुपर कॉस्टीलेशन विमान ग्रैंड केन्यॉन, अरीजोना में टकराकर नष्ट, 128 लोगों की मृत्यु. 1960 कांगो गणराज्य बना. 1971 सोवियत संघ का अंतरिक्षयान धरती पर उतरा तो उसमें तीनों अंतरिक्ष यात्री मृत पाए गए. 1971 दादा भाई नौरोजी का निधन हुआ. 1976 अमरीकी अंतरिक्षयान से प्राप्त चित्रों से मंगल ग्रह पर पानी होने की जानकारी मिली. 1989 अंगोला सरकार ने यूनिटा विद्रोहियों पर युद्ध विराम के उल्लंघन का आरोप लगाया. 1990 सोवियत संघ ने लियुआनिया को तेल टैंकर रवाना किए, जब वहाँ की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा पर रोक लगा दी.

दैनिक पंचांग

30 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.49 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.26 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.47 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.07 बजे से
राहुकाल		मेष	00.37 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.17 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.15 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.21 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 17.21 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.24 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872391
जूलियन दिन 2460856.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पशुओं को बचाएं 'सर्रा' रोग से

बचाव के उपाय

✦ पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन के सुनहरी तत्वानुसार बचाव उपाय से श्रेष्ठ होता है। और बचावात्मक उपाय में सबसे अहम बात हैं टीकाकरण। अतः इस रोग का संक्रमण टालने हेतु पशुओं को प्रतिबंधात्मक टीके डीएचएलपी 7/1, 8/1 तथा 9/1 बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें से किसी भी एक टीके का चुनाव कर कुत्तों को जब वे करीबन दो माह की उम्र के होते हैं तब लगवायें। इसके बाद पशुओं के डाक्टर द्वारा हर वर्ष बिना भूले टीका लगवाये तथा एक बही या रजिस्टर में टीके का नाम तथा टीका लगवाने की सही तारीख अंकित कर लें। कुत्तों की समुचित साफ-सफाई का ध्यान रखें तथा उनके बदन पर बाह्य परजीवी जैसे लीचड़, पिस्सु आदि का कतई प्रकोप ना होने दें।

✦ कोशिश करें कि जो सफाई कर्मचारी, पशुओं से संबंधित कर्मचारी, कीचड़ के काम करने वाले मजदूर रबड़ के जूते गमबूट तथा रबड़ के दास्ताने इस्तेमाल करें। साफ-सफाई का ख्याल रखें। द्य खेत, गंदे पानी की निकासी के लिये इस्तेमाल होने वाली नालियां, बूचड़खाने, भंडारण कक्ष तथा अन्य स्थानों पर चूहे तथा अन्य प्राणियों के विनाश के लिए जिंक फास्फाईड जैसे रसायनों का प्रयोग करें और उन्हें पनपने ना दें।

✦ कुत्ते, बिल्लियां तथा अन्य प्राणियों को घर में ना रखें उन्हें छूने के बाद साबुन तथा प्रचूर मात्रा में पानी का इस्तेमाल कर हाथ-पैर धोवें। पानी उबाल कर पियें।

✦ घर के खाने की चीजे बंद डिब्बों में रखें ताकि चूहे जैसे प्राणी उनको दूषित ना कर पायें। अगर कहीं चूहे की मैंगनी नजर आये तो वह खाने की चीजें नष्ट करें और उन्हें सेवन ना करें। द्य जब किसी मादा का गर्भपात होता है, तब मृत भ्रूण, झिल्लियां, द्रव आदि को इकट्ठा कर जमीन में गहरा गड्ढा कर नमक का चुने के साथ दफन करें। उसके बाद जंतुनाशक साबुन तथा दवा का प्रयोग कर नहायें। कपड़े उबालकर कड़ी धूप में सुखायें। साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। द्यगंदे पानी में स्नान न करें।

✦ अगर किसी पशु या मानव में इस रोग के लक्षण दिखाई दे तो प्रशासन को इसकी तुरंत सूचना दें। संक्रमित पशु तथा मानव का तुरंत इलाज करवायें।

✦ अन्य व्यक्तियों को उपरोक्त जानकारी दें तथा इस रोग से अपना तथा सभी का बचाव करें।

कारक

यह रोग लेप्टोस्पायरा बायफ्लेक्सा तथा लेप्टोस्पायरा ईटरोगनस नामक विशेष जीवों के प्रकोप के कारण होता हैं। यह जीव लंबे, गोल मुड़े हुए या सर्पाकृति आकार के होते हैं तथा उनके एक छोर पर आकड़ा (हुक या अवयव) होता हैं। वे बहुत हलचल करते हैं तथा उनके लचीलेपन की वजह से चक्राकार या लुढ़कती हलचले करते हैं। रोग पैदा करने वाले इन जीवों को उनकी वृद्धि हेतु सीरम (रक्त द्रव्य) जरुरी होता हैं। उनकी संख्या बढ़ने के लिये 29-32 डिग्री सेल्सियस तापमान जरुरी होता हैं। वे पशु के शरीर के बाहर अच्छी तरह जिंदा नहीं रह सकते क्योंकि वातावरण में होने वाले हल्के बदलाव से वह आसानी से मर जाते हैं। उनके कुछ प्रकार पानी तथा कीचड़ में कई हफ्तों तक जीवित रह सकते हैं। इन जीवों का प्रकोप पालतू पशु जैसे बकरी, भेड़, भैंस, गाय, सुअर, घोड़ा तथा वन्य प्राणियों में भी देखा गया हैं। चूहे, घूस मूंगूस (नेवला) तथा उक्त पालतू प्राणी इन जीवों के अच्छे वाहक होते हैं। इन प्राणियों के मल मूत्र गर्भपात से उत्पन्न गर्भ, दूध आदि द्वारा से जीव चारा, पीने का पानी तथा मिट्टी को प्रदूषित करते हैं तथा उनके जरिए निरोग पशु में इस रोग का प्रकोप फैलाते हैं। बरसात में कई जगह पानी भर जाता है तथा कीचड़ बन जाता हैं। ऐसे स्थानों पर चूहे, घूस आदि पशुओं क तादाद ज्यादा होने पर उनके मलमूत्र द्वारा सर्रा जीवों का प्रकोप बढ़ता हैं। ऐसे प्रदुषित स्थानों पर, धान के खेतों में काम करने वाले मजदूर, बूचड़खानों में कार्यरत मजदूर, कीचड़ में चलने वाले मछलीमार व्यक्ति, धान के खेतों में काम करने वाले मजदूर तथा सफाई कर्मचारियों में इन जीवों का प्रकोप ज्यादातर होता हैं। विशेषकर अगर इनमें से किसी व्यक्ति के शरीर पर पैरों पर कोई जख्म, खरोंच हैं तो उसके जरिए इन जीवों का तेजी से तथा आसानी से संक्रमण होकर इस रोग का प्रकोप शुरू होता है।

लक्षण

गोवंश में इस रोग का प्रकोप गर्भपात से होता हैं। इसके अलावा बुखार, निराशा, दस्त, गंभीर पीलिया तथा गहरे रंग का पेशाब होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। पशु की मृत्यु भी हो सकती है सुअर में बंध्यता, पीलिया, झटके आना, आंखों की झिल्लियों का प्रवाह तथा गर्भपात जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। घोड़ों में इस रोग के प्रकोप से बुखार, पीलिया, लाल रंग का पेशाब होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। कुत्तों में शरीर के तापक्रम में अचानक बढ़ोत्तरी होना, निराशा, थरथर कांपना तथा उल्टी होना, मुंह होंठ चमड़ी तथा आंखों की झिल्लियों का प्रवाह आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

इंसानों में बैचेनी बुखार, ग्लानि, सदा सुस्ती रहना तथा अन्य लक्षण दिखाई देते हैं। इस रोग का प्रकोप होने के चार से दस दिन बाद रोग के लक्षण दिखाई पड़ते हैं, जैसे शुरू में बुखार आकर ठिठरन होती हैं, सिर दर्द जी मिचलना, नांक से खून बहना, पेटशूल आदि।

अगर इस रोग का तुरंत मुआयना कर दवाई न दी गई तो रोगी की हालत और बिगड़ सकती हैं। उसकी आंखे लाल होती हैं, क्योंकि आंखों की झिल्लियों का प्रवाह होता हैं। आंखों में जलन तथा सूजन होती हैं। पीलिया होकर लीवर तथा मूत्र पिंडों में खराबी उत्पन्न होती हैं। अगर किसी गर्भवती स्त्री को इस रोग की बाधा होती हैं तो वह संक्रमण बच्चे को भी हो सकता है। अगर माता को संक्रमण हुआ तो उसके दूध के द्वारा बच्चे को संक्रमण हो सकता है।

उपचार

इस रोग को गंभीरता से लेते हुए अनुभवी डाक्टर तुरंत जांच पड़ताल कर प्रयोगशाला में नमुनों की जांच करवाये तथा रोग की पुष्टि होने पर तुरंत समुचित दवाईयां देना शुरू करें।

निदान

इस रोग का निदान संक्रमित पशु का खून तथा पेशाब के नमूने का गर्भपात के बाद गर्भ का नमूना जांचकर किया जा सकता है। पेशाब के नमूने की सूक्ष्मदर्शक यंत्र से डार्क फिल्ड माइक्रोस्कोपी जांच करते हैं। नमूनों से जीवाणुओं को अलग कर उनकी जांच एवं पहचान की जाती हैं। पीसीआर तकनीकी, माइक्रोस्कोपिक अग्लुटिनेशन टेस्ट तथा एलाइजा टेस्ट द्वारा इस रोग का निदान किया जाता है।

अनाज भंडारण कीट की रोकथाम

फसल कटाई के बाद बाजार में अनाज की उपलब्धता बनाये रखना दिन प्रतिदिन की आवश्यकता है एवं बीज के लिये अनाज को संग्रहित करना आवश्यक है। आधुनिक किसान ने उन्नत बीज, महंगे उर्वरक तथा फसल सुरक्षा उपायों के साथ उपज बढ़ाने की नई-नई तकनीकें अपनाकर उत्पादन बढ़ा लिया है। परंतु जब किसान की साल भर की कमाई को भंडारित किया जाता है, तब अनेक तरह के कीट और बीमारियां 10-15 प्रतिशत क्षति पहुंचाते है।

चूहा

चूहा के प्रभावी नियंत्रण के लिये किसानों को एक सामूहिक अभियान चलाना होगा। जिस क्षेत्र में चूहों का प्रकोप हो वहां सारे बिल बंद करें व दूसरे दिन जो बिल खुला मिले वहां जहर रहित चुग्गा रखें। इसके लिये 960 ग्राम अनाज में 20 ग्राम मीठा तेल व 20 ग्राम गुड़ या शक्कर मिलाकर बिलों के पास रखे यह 2-3 दिन तक करते रहें। इसके बाद उसी जगह शाम को 6 से 10 ग्राम विषयुक्त चुग्गा रखें इसमें 940 ग्राम अनाज 20 ग्राम खाने का तेल, 20 ग्राम गुड़ या शक्कर, 20 ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलाकर गोलियां बना लें मरे चूहों को गड्ढा खोदकर गाड़ दे जो चूहे बच गये वे विषयुक्त चुग्गा नहीं खायेंगे। इनके लिये एक सप्ताह बाद आंतचनरोधी विष रेटामिन, वारफेरिन, ब्रोमोडियोलोन (सुपर वारफेरिन) की टिकिया के 6 हिस्से एक समान बनाते हैं। एक बिल के अंदर एक टुकड़ा डालकर बिल बंद कर देते हैं। इसको चूहे खाना शुरू कर देंगे एवं इसके लगातार खाने से चूहों में ब्लड हेमरेज होकर 3-4 दिन बाद मृत्यु हो जाती है।

चावल का घुन

इसकी खोज सर्वप्रथम चावल में होने से इसे चावल का घुन कहा जाता है। प्रौढ़ मादा अनाज में छेद बनाकर अंडे देती है। इनसे निकलने वाली सूंडियां अंदर ही अंदर दाने को खाती है। इसका आक्रमण अप्रैल से अक्टूबर माह के बीच अधिक देखने को मिलता है। प्रौढ़ व सूंडियां दानों को खाकर खोखला कर देती है।

खपरा भृंग

गेहूं पर इसका अधिक प्रकोप होता है। अनाज की ऊपरी सतह में ज्यादा प्रकोप होता हैं यह जुलाई से अक्टूबर माह के मध्य अधिक नुकसान करता है एवं दानों के भ्रूण को खाता है। इसके अधिक प्रकोप से अनाज की मात्रा भूसी को जाती है।

चावल का पतंगा

इनका आक्रमण चावलों वाले सूखे पल विस्फोट सूजी, तिल, अलसी पर होता है। किंतु चावल और ज्वार पर अत्याधिक आक्रमण होता है। इसकी सूंडी ही नुकसान करती है एवं कीट बाधिक अनाज जालनुमा हो जाता है।

लाल आटा बीटल

इसमें साबुत दानों को भेदने की क्षमता होती है। इसके व्यस्क व सूंडी मुख्य रुप से पिसे हुये उत्पाद आटा, सूजी मैदा व बेसन आदि उत्पादों में अधिक हानि पहुंचाते हैं। आटे में इसकी संख्या अत्याधिक होने पर आटा पीला पड़ जाता है एवं जाल बन जाते है और गंध आती है।

दाल भृंग

कीट का आक्रमण मूंग, उड़द, चना, अदरक, मसूर तथा अन्य दालों पर होता है। कीट अपने अंडे हरी फल्लियों में देती है। दानों के अंदर भृंग छेदकर घूस जाता है तथा छेद बंद कर देता है एवं वहां से गोदामों में पहुंच जाते हैं। ये सालभर सक्रिय रहते हैं किंतु जुलाई से सितम्बर में ज्यादा आक्रमण करते हैं।

अनाज का पतंगा

ये सूंडियां भंडारित गेहूं, चावंल, मक्का, ज्वार आदि के दानों में सुराख करके घुस जाती है। तथा उन्हें खोखला कर अपने अवशिष्ट पदार्थ से भर देती है। ये सूंडियां टूटे हुये चावलों पर बाहरी आक्रमण करती है दानों का जाल बनाती हैं और अनाज को खाती रहती है।

आटे की पंखी

इसकी सूंडियां व व्यस्क दोनों की नुकसान करते हैं। इसमें उड़ने की क्षमता होती है। यह भंडारित चावल, मक्का, ज्वार आदि पर मार्च से नवम्बर के बीच आसानी से देखा जा सकता है। यह कीट दानों मे कई जगह सुराख कर देती है।

कीटों का प्रकोप होने पर सुरक्षा के उपाय

✦ अनाज को तेज धूप में सुखायें। धूप में कीट बाहर निकलते हैं और इनके अंडे खत्म हो जाते हैं।

✦ अनाज को दुबारा सुखाने से उनकी नमी खत्म होने से कीटों का खतरा कम हो जाता है। द्य गोदाम, टंकी या कोठों में हवा के आने-जाने का रास्ता बंद करके उनमें दवाओं का प्रयोग करें।

इथाइलीन डाइब्रोमाइड ईडीबी यह सूती कपड़े में लिपटा कांच का कैप्सूल या इंजेक्शन होता है यह एम्यूल/ इंजेक्शन 3.5 एवं 10 मिमी के पैक में आता है। एक एम्यूल 3 मिली को प्रति क्विंटल के हिसाब से प्रयोग करते है। इसका प्रयोग कोठे या टंकी के लिये अच्छा रहता है। टंकी या कोठे को आधा अनाज से भरकर अच्छी तरह से 7 दिन तक बंद रखें। इस तरह से किसान अपने अनाज को ज्यादा समय तक सुरक्षित रख सकते है।

एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम, कृषि भूमि पर पेड़ कटाई के लिए जारी किए गए मसौदा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत खेतों के बाहर हरित क्षेत्र बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से कृषि भूमि पर पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम लाए गए हैं। इससे एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। एग्रोफोरेस्ट्री यानी कृषि वानिकी, ऐसी प्रणाली है जिसमें एक ही जमीन पर पेड़ और फसलें या जानवर एक साथ उगाए जाते हैं। इससे न केवल पैदावार बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी और पर्यावरण भी बेहतर होगा।

पर्यावरण मंत्रालय ने 19 जून को सभी राज्यों को पत्र भेजकर कृषि भूमि में पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम साझा किए। मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य कृषि वानिकी के क्षेत्र में व्यापार सुगमता को बढ़ाना और किसानों को अपने कृषि प्रणालियों में पड़ों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पेरिस जलवायु लक्ष्यों को मिलेगा समर्थन– सरकार लंबे समय से कृषि वानिकी को बढ़ावा दे रही है ताकि किसानों की आय दुगनी की जा सके, जंगलों के बाहर वृक्षों की संख्या बढ़े, जलवायु परिवर्तन को कम किया जा सके, लकड़ी का आयात घटे, और भूमि उपयोग अधिक टिकाऊ बने। यह पहल पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को भी समर्थन देती है।

नियमों की कमी एक बड़ी बाधा – मंत्रालय के अनुसार कृषि भूमी पर पेड़ काटने के लिए स्पष्ट और एक समान नियमों की कमी अब तक किसानों के लिए एक बड़ी बाधा रही है। यह कृषि वानिकी उत्पादों की खेती और विपणन को प्रभावित करता है।

राज्य स्तरीय समिति का गठन – नए नियमों के अनुसार, लकड़ी आधारित उद्योग (स्थापना एवं विनियमन) दिशा-निर्देश, 2016 के तहत पहले से बनी राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) ही इन नियमों के लिए समिति का काम करेगी। इसमें अब राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल होंगे। यह समिति राज्य सरकार को कृषि वानिकी के नियम सरल बनाने और खेतों से वाणिज्यिक मूल्य वाले पेड़ों की कटाई और परिवहन के लिए सलाह देगी।

एनटीएमएस पोर्ट पर करना होगा आवेदन – आवेदकों को अपनी कृषि भूमि को शनल टिंबर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। उन्हें भूमि स्वामित्व और स्थान से संबंधित जानकारी देनी होगी। साथ ही, उन्हें लगाए गए पौधों की संख्या, प्रजाति, रोपण तिथि और औसत ऊंचाई जैसी जानकारी भी अपलोड करनी होगी। आवेदकों को एसएलसी द्वारा अपेक्षित जानकारी भी अपडेट करनी होगी। हर पेड़ की जियोटैग तस्वीर केएमएल फॉर्मेट में पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इन जानकारियों की निगरानी वन, कृषि और पंचायती राज विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों करेंगे।

10 से अधिक पेड़ों के लिए फील्ड जांच जरूरी

अगर किसी किसान की भूमि पर 10 से अधिक पेड़ हैं और वह उन्हें काटना चाहता है, तो उसे एनटीएमएस पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इसके बाद एक सत्यापन एजेंसी फील्ड विजिट करेगी और जमीन, पेड़ों और लकड़ी की अनुमानित मात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके आधार पर कटाई की अनुमति दी जाएगी।

सत्यापन के लिए हो सकती हैं जांच

10 पेड़ों तक की कटाई के लिए आवेदन करने के लिए, आवेदकों को पेड़ों की तस्वीरें एनटीएमएस पर अपलोड करनी होंगी। सिस्टम पेड़ के आकार (परिधि, ऊंचाई), उपज और प्रजाति का अनुमान लगाएगा। आवेदकों को नियोजित कटाई की तारीख की भी जानकारी देनी होगी। कटाई के बाद, उन्हें स्टंप की तस्वीरें अपलोड करनी होंगी। संबंधित विभाग सत्यापन के लिए अधिकारी भी भेज सकता है। ऐसी स्थिति में फेलिंग की अनुमति अपने आप पोर्टल से जारी हो जाएगी। प्रभागीय वन अधिकारी इस बात की निगरानी करेंगे कि सत्यापन एजेंसियां कैसे काम कर रही हैं। वे इन एजेंसियों के प्रदर्शन पर हर तिमाही में एसएलसी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

सुकन्या, पीपीएफ समेत छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें होंगी कम अगले सप्ताह आएगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीपीएफ, एनएससी और अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून, 2025 को की जाएगी। नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर बचत योजनाओं की

ब्याज दरें अपरिवर्तित रही हैं। लेकिन 1 जुलाई, 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस वर्ष रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती किए जाने के बाद, अटकलें लगाई जा रही हैं कि आगामी जुलाई संशोधन में सार्वजनिक भविष्य निधि की ब्याज दरें 7 प्रतिशत से नीचे आ सकती हैं। जबकि, एनालिस्ट संभावित दर कटौती के संकेतक के रूप में गिरते बॉन्ड यील्ड और नीतिगत फार्मुलों की ओर इशारा कर रहे हैं।

एनालिस्ट की राय– पीपीएफ, जो वर्तमान में 7.10 प्रतिशत की पेशकश कर रहा है। श्यामला गोपीनाथ समिति के फॉर्मूले के अनुसार, पीपीएफ रिटर्न औसत 10 साल की जी-सेक यील्ड से 25 आधार अंक अधिक होना चाहिए। अब यील्ड 6.325 प्रतिशत पर मंडरा रही है, फॉर्मूला उचित पीपीएफ दर को लगभग 6.575 प्रतिशत पर रखता है, जो संभावित रूप से मौजूदा दर से 52.5 आधार अंकों की कटौती को ट्रिगर करता है। स्क्रिपबॉक्स के फाउंडर और सीईओ अतुल सिंघल ने कहा, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2025 में रेपो दर में कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ, अब ध्यान छोटी बचत योजना (एसएसएस) ब्याज दरों के आगामी तिमाही संशोधन पर है।

भारत की जीडीपी में निजी खपत दो दशक के उच्चतम स्तर पर, निर्यात 6.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की निजी खपत में मजबूत वृद्धि देखी गई है। यह दो दशकों में देश के सकल घरेलू उत्पाद में उच्चतम हिस्सेदारी तक पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय के नवीनतम मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली। निजी खपत का मतलब है, व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाने वाला खर्च। यह किसी

देश की अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं की कुल मांग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी बढ़कर 61.4 प्रतिशत हो गई। यह वित्त वर्ष 2024 में 60.2 प्रतिशत थी। यह पिछले दो दशकों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है, जो उपभोग मांग में निरंतर मजबूती का संकेत देता है। निजी खपत में यह वृद्धि मुख्य रूप से स्थिर निवेश गतिविधि और शुद्ध निर्यात में बढ़तोरी से प्रेरित थी।

निजी अंतिम उपभोग में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि – मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में निजी अंतिम उपभोग में 7.2 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई। वहीं, वित्त वर्ष 2024 में इसमें 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। यह सुधार खासतौर से ग्रामीण मांग में उछाल से समर्थित था। निजी अंतिम उपभोग व्यय, घरों और गैर-लाभकारी संस्थाओं द्वारा वस्तुओं और सेवाओं पर किए गए कुल खर्च को दर्शाता है। वहीं निवेश के मामले में सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में वित्त वर्ष 2025 में 7.1 प्रतिशत का उछाल आया है। यह वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 8.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में थोड़ा कम है।

12 दिन में दोगुना हो गया पैसा... बिना तकनीकी ज्ञान के 56 साल के शख्स ने कमा डाले 85 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आज जब भी हम किसी अरबपति या बड़ी कमाई वाले शख्स की बात करते हैं तो उनमें ऐसे लोग ज्यादा मिलेंगे तो टेक्नोलॉजी के महारथी हों। लेकिन क्या कभी सोचा है कि कोई शख्स बिना तकनीकी ज्ञान के भी 85 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सकता है यह संभव कर दिखाया है कोरवीवकंपनी के को-फाउंडर और सीईओ माइकल इंट्रेटर ने। 56 साल के माइकल की संपत्ति मात्र 12 दिनों में दोगुनी हो गई है। कोरवीवकभी एक छोटी सी एआइ क्लाउड स्टार्टअप कंपनी थी। मार्च में यह कंपनी 40 डॉलर प्रति शेयर पर अमेरिकी शेयर मार्केट में लिस्ट हुई थी। लेकिन अचानक कंपनी के स्टॉक की कीमत बढ़ गई। सिर्फ दो महीनों में इसकी कीमत लगभग तीन गुना हो गई। मिंट की खबर के मुताबिक इस उछाल ने न केवल बाजार को आकर्षित किया है, बल्कि इसके शेयरधारकों की किस्मत भी बदल दी है। इसमें माइकल इंट्रेटर भी शामिल हैं।

माइकल कैसे बने अरबपति– माइकल इंट्रेटर पहले हेड फंड मैनेजर थे। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, उनकी संपत्ति पिछले 12 दिनों में दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह 5 अरब डॉलर से बढ़कर 10 अरब डॉलर (करीब 85.49 हजार करोड़ रुपये) हो गई है। कंपनी की शुरुआत बाजार में धीमी रही थी। लेकिन इंट्रेटर को विश्वास था कि कोरवीव आगे चलकर अच्छा प्रदर्शन करेगी। माइकल ने पहले फॉर्च्यून को बताया था, मुझे वास्तव में परवाह नहीं है कि यह आज, कल या उसके बाद कहां है। लेकिन मेरा मानना है कि हमारे पास जो बिजनेस मॉडल है, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन हैं, इसे बनाने और वितरित करने की क्षमता और हमारे सामने जो मांग है, वह समय के साथ हमारे ग्राहकों के लिए बहुत अधिक मूल्य लाएगी। माइकल अकेले ही स्टॉक की सफलता से लाभान्वित नहीं हो रहे हैं। अन्य को-फाउंडर की संपत्ति में भी काफी वृद्धि हुई है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कोरवीव के मुख्य रणनीति अधिकारी ब्रायन वेंटुरो की संपत्ति अब 6.4 अरब डॉलर है।

सरकार की स्किल ट्रेनिंग स्कीम पर सवाल, 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों ने कहा- नहीं मिला कोई फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। कुशमैन एंड वेकफील्ड की एक रिपोर्ट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों का कहना है कि सरकार की स्किल ट्रेनिंग स्कीम से उन्हें कोई मदद नहीं मिली है। इसका मतलब है कि सरकार की स्किल डेवलपमेंट की पहल माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज तक ठीक से नहीं पहुंच रही है। एमएसएमई वे छोटी कंपनियां होती हैं जो मैन्युफैक्चरिंग के काम में लगी होती हैं।

रिपोर्ट में यह भी देखा गया कि लगभग 61 प्रतिशत एमएसएमई ने कहा कि सरकार की स्किल और टैलेंट की पहल उन तक नहीं पहुंची। वहीं, 39 प्रतिशत ने माना कि उन्हें इन योजनाओं से कुछ फायदा हुआ है। यह रिपोर्ट एक सर्वे के जरिए तैयार हुई है। इस सर्वे में छोटी कंपनियों में 500 से कम कर्मचारी शामिल थे।

क्या कहा गया है रिपोर्ट में

रिपोर्ट में कहा गया है, हमारे सर्वे से पता चलता है कि सरकार की स्किल और टैलेंट की पहल इस सेक्टर तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच रही हैं। सबसे बड़ी दिक्कत छोटी कंपनियों के साथ है। 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों का कहना है कि सरकार की स्किल ट्रेनिंग योजनाओं से उन्हें कोई मदद नहीं मिली है। इस रिपोर्ट का नाम भारत की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना– आत्मनिर्भरता का मार्ग तैयार करना है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एमएसएमई का कितना योगदान

एमएसएमई मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के 4 में से 5 कर्मचारियों को नौकरी देते हैं। वे इस सेक्टर के 40 प्रतिशत प्रोडक्शन के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन एमएसएमई में काम करने वाला हर कर्मचारी एक बड़े प्लांट के कर्मचारी की तुलना में सिर्फ 14 प्रतिशत प्रोडक्शन ही कर पाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसी तरह के मैन्युफैक्चरर

कमियां करनी होंगी दूर

कुशमैन एंड वेकफील्ड के एग्जीक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर (मुंबई और न्यू बिजनेस) गौतम सराफ ने कहा कि भारत को लॉजिस्टिक्स, एकीकृत सुविधाओं और एमएसएमई प्रोडक्टिविटी में गहरी पैठ वाली लागत और क्षमता की कमियों को दूर करना होगा।

मई 2025 में सीमेंट उद्योग ने पकड़ी रफ्तार; खपत 9 प्रतिशत बढ़ी, कीमतों में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमेंट उद्योग में मई 2025 में सालाना अधार पर 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार सीमेंट की खपत 39.6 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) हो गई है, जबकि औसत सीमेंट कीमतों में भी करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें बताया गया कि कम बिक्री के बाद भी सीमेंट उद्योग ने मई 2025 में 50 किलोग्राम बैग की कीमत 8 प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह कीमत 340 रुपये थी। यह साल-दर-साल आधार पर 7 प्रतिशत कम थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कीमतों में 7 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी देखी गई है।

इनपुट लागत में स्थिरता से मिला समर्थन– इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में स्थिरता के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ है। इसका कारण कोयले और पेटकोक की ऊर्जा कीमतें कम हैं तथा डीजल की कीमतें स्थिर हैं।

कुल बिक्री वॉल्यूम में 8 प्रतिशत की गिरावट– वहीं, अप्रैल और मई 2025 में कुल बिक्री वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि पूरे स्त्रङ्ग2025 में यह आंकड़ा 6.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 453 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंचा। आईसीआर को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 6 से 7 प्रतिशत बढ़कर 480 से 485 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है। इसे आवासीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से निरंतर मांग का समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईसीआर कंपनियों के मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 80 से 150 आधार अंक बढ़कर 16.3 प्रतिशत से 17 प्रतिशत तक पहुंच सकते हैं।

कोयले और पेटकोक की कीमतों में आई गिरावट– ईंधन लागत की बात करें तो जून 2025 में कोयले की कीमतें 19 प्रतिशत घटकर 100 डॉलर प्रति टन और पेटकोक की कीमतें 2 प्रतिशत घटकर 10,880 रुपये प्रति टन हो गईं। डीजल की कीमत 88 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान कोयले की कीमतों में 6 प्रतिशत कम थीं, पेटकोक में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। सीमेंट निर्माता संघ (सीएमए) के अनुसार, भारत में सीमेंट उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 690 मीट्रिक टन है।

लाखों नौकरियां जाएंगी... एलन मस्क ने कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख टैक्स और खर्च प्रस्ताव की आलोचना की और तथाकथित बिग ब्यूटीफुल बिल के लेटेस्ट सीनेट ड्राफ्ट को बेहद पागलपन भरा और विनाशकारी बताया। मस्क ने कानून के खिलाफ पब्लिक कैंपन जारी रखते हुए एक्स पर लिखा, लेटेस्ट सीनेट ड्राफ्ट बिल अमेरिका में लाखों नौकरियों को खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाएगा।

क्या है डिटेल– 940 पन्नों का यह विधेयक (जिसे अभी सीनेट में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है) फेडरल प्रोग्राम्स जैसे मेडिकेड और खाद्य टिकटों पर भारी कटौती के साथ-साथ कर में छूट और रक्षा और सीमा प्रवर्तन के लिए विस्तारित निधि प्रदान करता है। सीनेट रिपब्लिकन द्वारा समर्थित, जो ट्रम्प की 4 जुलाई की समयसीमा को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं, इस उपाय में राष्ट्रपति के आव्रजन एजेंडे के लिए केंद्रीय 350 बिलियन डॉलर की राष्ट्रीय सुरक्षा योजना भी शामिल है। रिपब्लिकन नेता अपने सीनेट बहुमत का उपयोग करके विधेयक को डेमोक्रेटिक आपत्तियों से आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, लेकिन कुछ जीओपी सीनेटर मेडिकेड और खाद्य टिकटों जैसे कार्यक्रमों में कटौती को लेकर चिंतित हैं। मुख्य प्रावधानों में यूएस-मेक्सिको सीमा दीवार विस्तार के लिए 46 बिलियन डॉलर, 100,000 प्रवासी हिरासत बिस्तरों के लिए 45 बिलियन डॉलर और 10,000 नए आइसीइ अधिकारियों की भर्ती, जिनमें से प्रत्येक को 10,000 डॉलर का साइनिंग बोनस शामिल है, शामिल हैं। ट्रम्प ने जीओपी को निर्देश दिया है, जिसके पास जीओपीं सदनों में बहुमत है, कि वह बिना किसी देरी के कानून को पारित करे। यह बिल 2017 के टैक्स कटौती को बढ़ाने, रक्षा और आव्रजन प्रवर्तन निधि को बढ़ाने और लोन लिमिट को बढ़ाने का प्रयास करता है। जबकि ट्रम्प के वफादारों ने इसे राष्ट्रीय पुनरुत्थान की रूपरेखा बताया है, मस्क ने इसे घृणित घृणा करार दिया है।

विनिर्माण की मजबूती के लिए प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क जरूरी, कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों के विकास में तेजी की जरूरत है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड की नई रिपोर्ट एलेवेटिंग इंडियाज मैन्युफैक्चरिंग रेजिलिएंस– चार्टिंग द पाथ टू सेल्फ-रिलायंस में यह जानकारी दी गई है। यह रिपोर्ट भारत के विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के 94 वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें बड़े उद्योगों से लेकर एमएसएमई तक का दृष्टिकोण शामिल है।

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क क्यों है खास

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क का मतलब है सारी सुविधाओं से लैस होना। जहां आवश्यक

बुनियादी ढांचे, जैसे कि सड़क, बिजली, पानी, और कनेक्टिविटी, पहले से ही मौजूद होते हैं। व्यवसायों को बिना किसी देरी के तुरंत अपने परिचालन शुरू करने की अनुमति मिलती है, जिससे निर्माण और रखरखाव में लगने वाले समय और लागत में कमी आती है।

विनिर्माण क्षेत्र एक संचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है

कुशमैन एंड वेकफील्ड के मुंबई और न्यू बिजनेस के कार्यकारी प्रबंध निदेशक गौतम सराफ ने कहा कि भारत का विनिर्माण क्षेत्र एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। हमारी रिपोर्ट में यह सामने आया कि बुनियादी ढांचे में निवेश, स्पष्ट नीतियां और उद्योग की मंशा, मजबूती से जुड़ी हैं। सर्वे के अनुसार 88 प्रतिशत निर्माता बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते अपने संचालन का विस्तार कर रहे हैं और 95 प्रतिशत से अधिक ने सरकार समर्थित कार्योक्रमों के मध्यम से बेहतर लॉजिस्टिक्स पहुंच की सूचना दी है।

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का महत्व बढ़ रहा है

कुशमैन एंड वेकफील्ड में लॉजिस्टिक्स व इंडस्ट्रियल सर्विसेज इंडिया के प्रबंध निदेशक अभिषेक भूटानी ने कहा कि भारत का विनिर्माण क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जो नीतिगत समर्थन और बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण तीव्र वृद्धि के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकला है कि प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का महत्व बढ़ रहा है। ये पूर्व-स्वीकृत बुनियादी ढांचे के लिए तैयार क्षेत्र बाजार में आने के समय को कम करने, अग्रिम पूंजीगत व्यय को कम करने और परिचालन जोखिमों को कम करने में मदद कर रहे हैं, खासकर एमएसएमई के लिए जो विस्तार करना चाहते हैं। भूटानी ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे कंपनियां नए क्षेत्रों में विस्तार कर रही हैं, उनके लिए लॉजिस्टिक्स, कुशल प्रतिभा और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी से युक्त ऐसे टर्नकी इकोसिस्टम की उपलब्धता निर्णायक साबित होगी।

नेपाल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलेगा टॉप एंड टी20 सीरीज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि ऑस्ट्रेलिया के डारविन में 14 से 24 अगस्त के बीच होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज में वह चार में से एक अंतर्राष्ट्रीय टीम होगी। नेपाल के लिए ये सीरीज 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने की तैयारी के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। 2026 टी20 विश्व कप में अभी भी तीन स्थान खाली हैं, ये विश्व कप अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालिफायर्स अक्टूबर में ओमान में आयोजित किया जाएगा, जिसके जरिए नेपाल के पास विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। नेपाल अगस्त की शुरुआत में डारविन पहुंच जाएगी, जहां उन्हें कम से कम छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ये सभी मैच कैजली एरेना के स्टेडियम में खेले जाएंगे।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का ने कहा, टॉप एंड सीरीज में शिरकत करते हुए हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें खुद को प्रतिस्पर्धी माहौल में तैयार करने के लिए बड़ी मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य इस सीरीज के जरिए खुद को इस तरह तैयार करने पर है ताकि 2026 टी20 विश्व कप के लिए हमें क्वालिफाई करने में मदद मिल सके।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपनः

तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

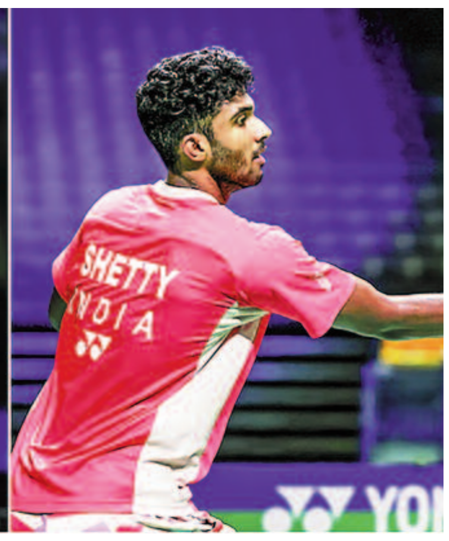

काउंसिल ब्लफ्स, एजेंसी। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं! गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं। दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

स्मृति मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी।

मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले साल उन्होंने चार वनडे शतक लगाए। किसी अन्य महिला बल्लेबाज ने एक साल में तीन से अधिक शतक नहीं लगाए हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। वहीं आईसीसी की महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर में भी शामिल किया गया। जून 2018 में बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के पुरस्कार से सम्मानित किया था।

एशिया कप भारत में, लेकिन पाकिस्तान यहां नहीं खेलेगा

भारत भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं गया था ; 10 सितंबर से हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू UAE हो सकता है। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच UAE में खेले गए थे।

लॉर्ड्स अच्छा है, लेकिन ...

रवि शास्त्री ने WTC फाइनल के लिए नए मैदान की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने नए मैदान की सिफारिश की है। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट के विकास के लिए एक आदर्श स्थल बना हुआ है, हालांकि एकमात्र मैच बाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्थलों पर खेला जा सकता है।

पिछले छह वर्षों में लगातार तीन WTC फाइनल इंग्लैंड के तीन अलग-अलग स्टेडियमों में खेला गया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल ने उद्घाटन फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने ओवल में WTC 2023 का फाइनल भारत के खिलाफ जीता। इस महीने की शुरुआत में ट्रॉफी लंदन लौटी जिसमें प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शानदार मैच में प्रोटियाज ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में 27 साल के ICC ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया।

लंदन में होने वाले इस आयोजन में लंबे प्रारूप के लिए तटस्थ क्रिकेट प्रेमी भीड़ जुटती रहती है, लेकिन शास्त्री को लगता है कि भविष्य में पर्याप्त दर्शक मिलने के बाद चैंपियनशिप का फाइनल भारत के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे विशाल स्टेडियमों में आयोजित किया जा सकता है।

विजडन क्रिकेट पॉडकास्ट में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में अगर यह यहीं (लॉर्ड्स) हो तो अच्छा रहेगा। एक बार जब इसे वह लोकप्रियता और प्रशंसा मिल जाए जिसके यह हकदार है, तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि एमसीजी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, अहमदाबाद WTC फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ जुटा सकते हैं। क्योंकि लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी। हाल की रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि इंग्लैंड अगले दो चक्रों में भी WTC फाइनल का घर हो सकता है जिसका फाइनल 2029 और 2031 में होना तय है। ICC के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार 2027 WTC फाइनल भी लॉर्ड्स में आयोजित किया जाना तय किया गया है। WTC 2027 की मेजबानी के लिए BCCI की बोली को हाल ही में खारिज कर दिया गया था, क्योंकि तटस्थ टेस्ट को लगातार समर्थन देने के लिए इंग्लैंड को तरजीह दी गई थी।

मैं खाली मैदान को निहारता रहा लेकिन...

रोहित शर्मा ने सुनाया टी-20 वर्ल्डकप जीत का किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 जून 2024 को भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा किया था. अब इस महाजीत के ठीक एक साल बाद रोहित शर्मा ने उस ऐतिहासिक जीत से पहले की भावनाओं और दबाव को लेकर अपने दिल की बात साझा की है.

रोहित बोले - मैं रात भर सो नहीं सका - रोहित शर्मा ने कहा कि तेरह साल लंबा समय होता है. कई खिलाड़ियों का तो इतना लंबा करियर भी नहीं होता. मैंने पिछली बार 2007 में वर्ल्ड कप जीता था. इसलिए मेरे लिए इससे बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता था. मैं रातभर सो नहीं पाया. बस वर्ल्ड कप के बारे में ही सोचता रहा. मैं इतना नर्वस था कि मेरे पैरों में जान नहीं थी. अंदर से बहुत कुछ चल रहा था, हालांकि मैं बाहर नहीं दिखाता. हमें सुबह 8:30 या 9 बजे निकलना था, लेकिन मैं 7 बजे उठ गया.

रोहित शर्मा ने कहा कि मेरे कमरे से मैदान दिख रहा था और मैं बस उसे निहारता रहा. मैंने खुद से कहा, दो घंटे में मैं वहां खेल रहा होऊंगा, और चार घंटे में सब कुछ तय हो जाएगा. या तो कप हमारे पास होगाज या नहीं. 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे में रोहित शर्मा पर वर्ल्ड कप जीतने का ज़बरदस्त दबाव था. 38 वर्षीय रोहित के लिए यह कप्तान के तौर पर पहली ICC ट्रॉफी थी. वह 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. 2024 के इस वो कैच मैच का टर्निंग पॉइंट थाः रोहित शर्मा फाइनल में हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. आखिरी पांच ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ 30 रन चाहिए थे और डेविड मिलर क्रीज़ पर मौजूद थे. तभी सूर्यकुमार यादव ने लंबी सीमा रेखा पर एक हैरतअंगेज़ कैच लेकर मिलर को आउट किया और भारत को वापसी का मौका मिला. रोहित ने कहा कि मैं लॉन्ग ऑन पर था और वो कैचज सच कहूं तो वही मैच का पल था. ऐसा लग रहा था कि गेंद छक्के के लिए जा रही है, लेकिन तभी सूर्या हवा में उड़े और कैच पकड़ लिया. हवा भी गेंद को थोड़ा पीछे खींच लाई होगी. थर्ड अंपायर का फैसला आने तक सबकी सांसें रुकी थीं. बता दें कि भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 से संन्यास की घोषणा की. कोहली को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था. तीनों खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहा ।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं।

अंपायर के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को ICC ने सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर हो गई थी, वेस्टइंडीज भी 190 रन ही बना पाई थी. उन्होंने 10 रन की बढ़त हासिल की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 310 रन बनाकर लक्ष्य 301 रनों का दिया. वेस्टइंडीज 141 रनों पर ऑल आउट हो गई. मैच में अंपायर के कई फैसले विवादित रहें, जो अधिकतर मेजबान के विरोध में गए. इससे नाराज कोच डैरेन सैमी ने अंपायर का नाम लेकर फैसलों पर सवाल उठाए थे. वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक थे, उनके 5 फैसले विवादित रहे और इनमें से 4 वेस्टइंडीज के खिलाफ गए. कोच डैरेन सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में नाम लेकर थर्ड अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताई थी. इसके बाद आईसीसी ने उनको सजा सुनाई.

डैरेन सैमी ने क्या कहा - सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में अंपायर का नाम लेकर कहा था कि ऐसे गलत फैसलों की वजह से मैच हमारे खिलाफ गया. उन्होंने कहा कि क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? जब एक के बाद एक ऐसे गलत फैसले देखते हो तो सवाल तो उठेंगे ही. उनके आलावा कप्तान रॉस्टन चेज ने भी सवाल उठाए थे.

ICC ने लगाया जुर्माना -आईसीसी ने डैरेन सैमी पर डिमेरिट अंक जोड़ा और मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के रूप में काटा. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर भी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा. उन्होंने पैट कमिंस को आउट करने के बाद कुछ इशारे किए थे, इस कारण उन्हें सजा दी गई. वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने भी अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को गलत करने पर सजा मिलती है लेकिन अंपायर के साथ कुछ भी नहीं होता. दरअसल एक फैसला चेज के खिलाफ भी गया था. टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू आउट किय, लेकिन उन्होंने इस पर DRS ले लिया. अल्ट्रा एज में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास थी तो कुछ स्पाइक है, लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट ही दिया.

श्रेयस की टेस्ट टीम में वापसी अभी इन खिलाड़ियों की वजह से संभव नहीं, पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने गिनाए नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया था तब उसमें श्रेयस अय्यर का नाम नहीं था। श्रेयस को घरेलू स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई थी। श्रेयस के चयन पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन फिलहाल टीम में जगह खाली नहीं थी।

भारतीय मध्यक्रम में है कड़ी प्रतिस्पर्धा - अब श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह क्यों नहीं दी गई इसको लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इसकी वजह से श्रेयस का इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुने जाने की संभावना काफी कम थी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भी अभी मौके के इंतजार में हैं और इसलिए श्रेयस को अभी टेस्ट टीम में वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

श्रेयस को करना होगा सही मौके का इंतजार - आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी समस्या नहीं है। उन्हें टेस्ट टीम में तुरंत मौका नहीं मिलेगा और उन्हें सही मौके का इंतजार करना होगा। वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाते क्योंकि अभी कई दूसरे खिलाड़ी कतार में हैं और उन्हें अभी तक मौके नहीं मिले हैं। आकाश ने कहा कि करुण नायर ने अभी-अभी वापसी की है और सरफराज खान को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। ध्रुव जुरेल बाहर बैठे हैं। अगर पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया जा रहा है तो श्रेयस को मौका कैसे मिल सकता है।

- ***श्रेयस को धैर्य रखने की जरूरत*** *– आकाश चोपड़ा ने यह भी माना कि श्रेयस अय्यर ने पिछले दिनों घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट में अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उनका प्रथम श्रेणी सीजन और आईपीएल 2025 काफी अच्छा रहा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाया। उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें टेस्ट में भी मौका मिलेगा। उन्हें बस थोड़ा और धैर्य रखना होगा।*

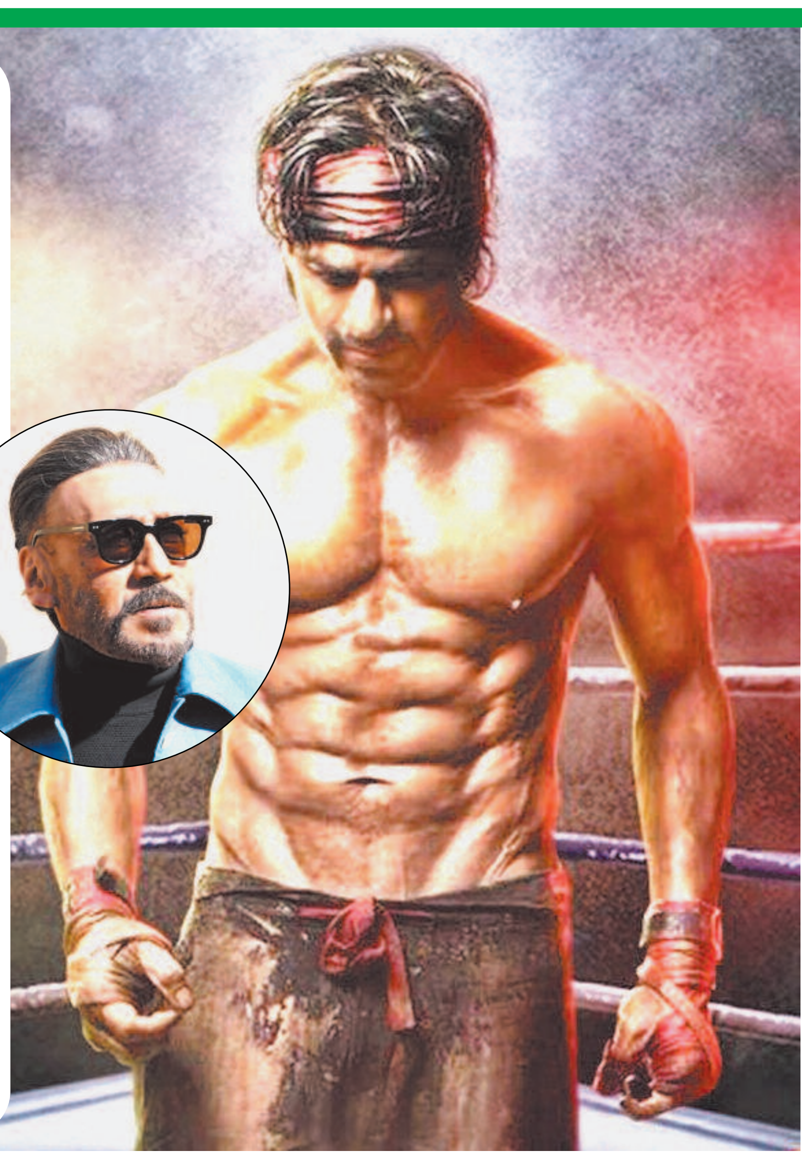

किंग खान को लेकर जैकी श्रॉफ का बड़ा बयान

अकेलापन महसूस करते हैं शाहरुख खान

सिनेमा की दुनिया में शाहरुख खान का सिक्का चलता है। किंग खान के देश और दुनिया में करोड़ों फैंस हैं। अपनी अदाकारी के बूते वे आज भी इंडस्ट्री में टॉप पर हैं। हालांकि, स्टारडम के साथ-साथ उनकी जिंदगी में अकेलापन भी आया है, ऐसा कहना है जैकी श्रॉफ का। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने शाहरुख खान को शूटिंग के दौरान सेट पर अकेले बैठा देखा। जैकी ने कहा कि सुपरस्टारडम की वजह से उन्हें शीर्ष पर अकेलापन महसूस होता होगा।

सेट पर अलग-थलग थे किंग खान: अभिनेता जैकी श्रॉफ और शाहरुख खान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में शाहरुख खान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की।

दोनों ने 'देवदास' और 'किंग अंकल' जैसी फिल्मों में काम किया है। जैकी श्रॉफ ने इस दौरान कहा कि शूटिंग के दौरान शाहरुख खान सेट पर अकेले बैठे रहते थे, जबकि वह सम्मानजनक और करिश्माई हैं। फिर भी किंग खान अलग-थलग थे।

पसंद आई शाहरुख खान की वाइब्स3 जैकी श्रॉफ ने आगे कहा, अकेलापन, हर एक्टर को एक अकेलापन महसूस होना चाहिए। यह मुझे किसी ने बोला था। जैकी ने आगे कहा, तो मैंने उसे (शाहरुक खान) वहां अकेले बैठे देखा। वह मेरे छोटे भाई का किरदार निभा रहा था। वह सम्मानजनक था, अपने काम पर ध्यान केंद्रित करता था और वह करिश्माई और आकर्षक था। लेकिन अलग-थलग। जैसे मैं अलग-थलग था, वह भी अलग-थलग था। मुझे वह वाइब्स पसंद आई।

बोले- एवरेस्ट की चोटी पर सिर्फ आपकी छाया होगी: जैकी श्राफ ने कहा कि फिल्म 'देवदास' से पहले उन्होंने 'वन 2 का 4' जैसी अन्य फिल्मों में साथ काम किया। हालांकि, संजय लीला भंसाली की फिल्म के सेट पर यह सामान्य बात थी। उन्होंने कहा कि 'देवदास' में किरदार ऐसे थे कि अकेले बैठना स्वाभाविक था। जैकी श्रॉफ ने कहा कि जब आप सफलता के दुर्गम स्तर पर पहुंच जाते हैं, तो अकेलापन महसूस करने लगते हैं। एक्टर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप एवरेस्ट की चोटी पर जाते हैं, तो आपके पास बस आपकी छाया होगी या फिर वहां सिर्फ अकेलापन है। जैकी श्रॉफ ने कहा कि किंग खान के मामले में भी उन्हें बिल्कुल ऐसा ही महसूस हुआ।

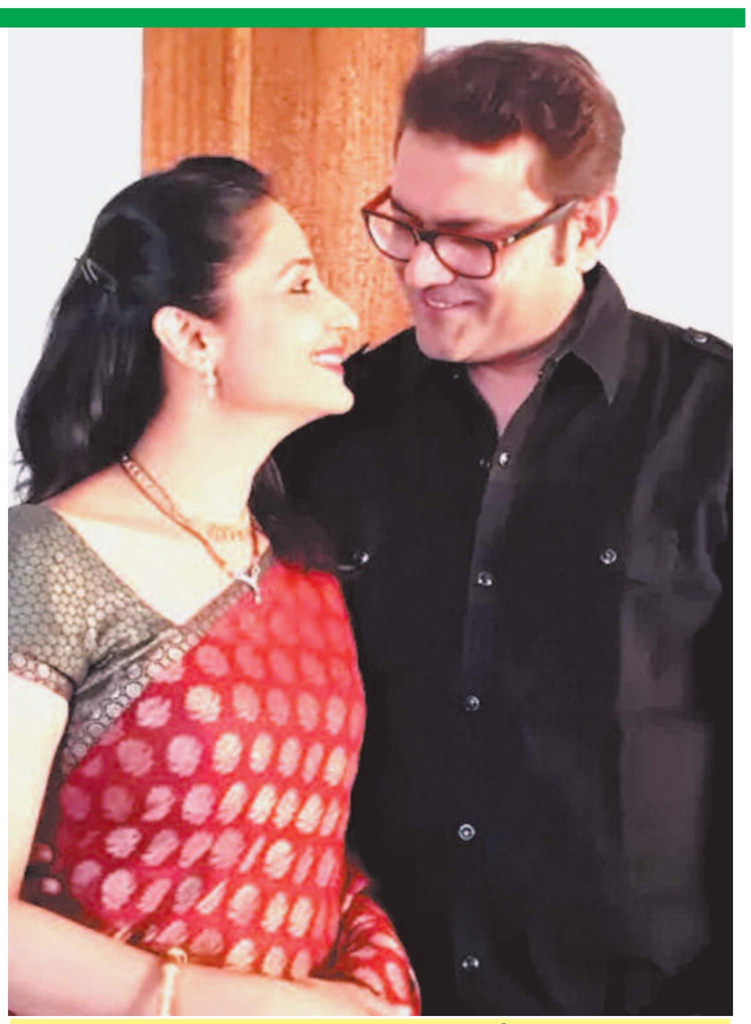

तलाक की घोषणा को लेकर चर्चा में एक्ट्रेस

'जिंदगी रोलर-कोस्टर राइड है', लता का लाइफ मंत्रा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल से चर्चित हुईं एक्ट्रेस लता सबरवाल ने पिछले दिनों अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की। हाल ही में वह जिंदगी जीने के तरीकों पर बात करती दिखीं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल में कभी नजर आईं एक्ट्रेस लता सभरवाल ने शादी के 16 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की है। अलगाव के बाद लता अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त हैं। वह बतौर पर्सनालिटी ग्रूमिंग मेंटर की तरह काम करती हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में लता ने जिंदगी को लेकर गहरी बातें साझा की हैं।

जिंदगी की जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए : अभिषेक व्यास के पॉडकास्ट में लता ने कहा, 'हमारे जीवन में एक लक्ष्य खत्म हो जाता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है। जिंदगी तो बस अनुभव का दूसरा नाम है। हम सबकी जिंदगी रोलर कोस्टर राइड की तरह है। अगर कोई कहता है कि उसकी जिंदगी में सब सही है, तो ऐसा नहीं है। हां, बस अपनी जिंदगी की इस जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए।'

कैसे शुरू हुई थी लता-संजीव की लव जर्नी : बताते चलें कि लता और संजीव सेठ ने टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इसी सीरियल के सेट पर इन्हें प्यार हुआ, आगे चलकर ये शादी के बंधन में बंधे। इनका एक बेटा भी है। हाल ही में दोनों ने अलगाव की राह को चुना है। शादी के 16 साल बाद लता और संजीव अलग हो गए हैं। इनके फैंस जरूर इस बात से दुखी नजर आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर लता और संजीव से अलगाव को लेकर सवाल भी कर रहे हैं।

लता ने प्राइवेसी का सम्मान करने की गुजारिश की : जब लता ने अपने अलगाव की घोषणा सोशल मीडिया पर की तो फैंस से गुजारिश भी की, इसमें एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं सभी से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज मेरे और मेरे परिवार की शांति का सम्मान करें। इस बारे में कोई सवाल न पूछें या फोन न करें।'

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं- सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! ब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है। सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी। इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

राहु केतु की शूटिंग के बाद शालिनी पांडे ने मनाली के नाम लिखा दिल से भरा खत- कहा, पहाड़ों ने मुझे थाम लिया

अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली शालिनी पांडे ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग मनाली की वादियों में पूरी की। शूटिंग खत्म होने के बाद, शालिनी ने

सोशल मीडिया पर एक भावुक और आत्मीय पोस्ट शेयर की – जिसमें उन्होंने इस पूरे अनुभव को एक प्रेम-पत्र और कृतज्ञता से भरी डायरी की तरह बयां किया। उन्होंने तस्वीरों की एक खूबसूरत सीरीज शेयर करते हुए लिखा- मनाली के लिए एक छोटा सा लव लेटरज मैंने यहाँ एक महीने बिताया, शूटिंग करते हुए, पहाड़ों की गोद में रहते हुए, और एक नई लय में खुद को ढालते हुए। मुझे अपने डॉग्स,छ्व और क्व्ढ्ढक्र की बहुत याद आई। हर दिन। कभी-कभी ये चुप्पी भारी लगती थी... लेकिन धीरे-धीरे, मनाली ने मुझे थाम लिया। अजनबियों की चुप्पी में छिपी दया में, हिमाचली कुत्तों के प्यार में जो बस पास आकर बैठ जाते थे, सुबह की शांति और देवदार की खुशबू में... शालिनी ने आगे बताया कि 'अविर' नाम का एक छोटा कैफे, गौतम द्वारा बनाई गई नुटेला टोस्ट और अदरक-नींबू की चाय, सैम के स्टूडियो में मिट्टी से जुड़ाव, और मनाली स्ट्रेज़ जैसे एनिमल रेस्क्यू सेंटर – इन सबने उनके दिनों को खास बना दिया। मैं एक एक्टर के तौर पर मनाली काम के लिए गई थी, लेकिन वापस लौट रही हूं एक भरे हुए दिल और अनगिनत यादों के साथ।

'क्रिमिनल जस्टिस' फेम इस एक्ट्रेस के साथ हुआ कास्टिंग काउच?

बॉलीवुड और ओटीटी में अपने अभिनय से खास पहचान बना चुकीं बरखा सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में ऐसा खुलासा किया है जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें सीधे तौर पर कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन एक बार उन्हें एक ऐसा ईमेल मिला जिसने उन्हें अंदर से झकझोर कर रख दिया। लफंगे और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस बरखा सिंह ने कहा कि साउथ इंडस्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति ने उन्हें ईमेल के जरिए रोल के बदले 'समझौता' करने की मांग की थी। बरखा के मुताबिक, ये प्रस्ताव इतनी सफाई से लिखा गया था मानो ये इंडस्ट्री का आम चलन हो।

ईमेल में लिखा गया था 'कॉम्प्रोमाइज जरूरी है'

बरखा ने हॉटर्फ्लाई के साथ इंटरव्यू में कहा, ईमेल में साफ लिखा था कि इतने शूटिंग डे होंगे, फिगर मेजरमेंट्स ऐसी होनी चाहिए और कॉम्प्रोमाइज जरूरी है।

प्रोफेशनल करियर में लगातार आगे बढ़ रहीं बर्खा

बरखा सिंह इन दिनों अपने करियर के बेहतरीन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में उन्होंने पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर किया और दर्शकों से तारीफें बटोरीं। उनकी हालिया फिल्म 'लफंगे' में उन्होंने 'इशिता' नाम का किरदार निभाया, जो एक हल्की-फुल्की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इसके अलावा बर्खा की द साबरमती रिपोर्ट में उनकी गेस्ट अपीयरेंस को भी क्रिटिक्स ने काफी सराहा। अपनी मासूमियत और नेचुरल एक्टिंग के लिए बर्खा आज की यंग एक्ट्रेसेज में एक खास मुकाम रखती हैं।

एक-दूसरे को बेहद प्यार करते थे शेफाली और पराग: दीपशिखा नागपाल

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का शुक्रवार रात कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। 42 साल की उम्र में उनके अचानक निधन से टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री सदमे में है। शेफाली के साथ काम कर चुकी को-एक्टर दीपशिखा ने बताया कि वह शानदार शख्सियत थीं।

शेफाली को बिग बॉस 13 और नच बलिए जैसे रियलिटी शोज में उनकी मौजूदगी के लिए जाना जाता था। दीपशिखा नागपाल ने शेफाली के साथ अपनी यादें साझा कीं। दीपशिखा ने बताया, मैंने शेफाली के साथ नच बलिए में काम किया था। हम बहुत करीबी दोस्त तो नहीं थे, लेकिन वह हर गणपति उत्सव में हमें बुलाती थीं। हाल ही में कुछ पार्टियों में उनसे मुलाकात हुई। वह बहुत ही प्यारी और जिंदादिल इंसान थीं, वह विनम्र इंसान थीं।

दीपशिखा ने शेफाली और पराग के रिश्ते के बारे में बताया, शेफाली और पराग एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। वे एक आदर्श जोड़ी थे, जिन्हें लोग प्रेरणा मानते थे। उनकी मौत की खबर ने मुझे झकझोर कर रख दिया। मेरे मन में कई सवाल हैं, ऐसा क्यों हुआ? पराग इस दुख को कैसे सहेंगे? मैं प्रार्थना करती हूं कि ईश्वर उन्हें और उनके परिवार को हिम्मत दे।

शेफाली के निधन पर इंडस्ट्री के कई सितारों ने दुख जताया। मीका सिंह, रश्मि देसाई, दिव्यांका त्रिपाठी, अली गोनी, हिमांशी खुराना, किश्वर मर्चेंट, काम्या पंजाबी के साथ ही कीकू शारदा समेत अन्य सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख व्यक्त किया।

शेफाली ने अपने करियर में कई टीवी शोज और म्यूजिक वीडियोज में काम किया था। नच बलिए में पराग के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया।

शेफाली हिट गाने कांटा लगा और बिग बॉस 13 में अपनी उपस्थिति के लिए जानी जाती थीं। एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत कांटा लगा गाने से की थी, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

इसके बाद उन्होंने मुझसे शादी करोगी, शैतानी रस्में, रात्रि के यति और हुडुगारु जैसी फिल्मों में काम किया। बिग बॉस 13 में उनकी मौजूदगी भी सुर्खियों में रही थी।

अर्जुन रामपाल ने बच्चों को बनाया अपना क्रिटिक, राणा दग्गुबाती को बताया 'साइलेंट जीनियस'

नेटफ्लिक्स की क्राइम ड्रामा सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में एक नया चेहरा चर्चा में है-राउफ। रहस्यमय, शांत और भीतर से टूटा यह किरदार अर्जुन रामपाल ने निभाया है। हाल ही में खास बातचीत में अर्जुन ने बताया कि राउफ जैसा किरदार करना उनके लिए आसान नहीं था। यह रोल उनके लिए सिर्फ एक्टिंग नहीं थी बल्कि एक गहरा अनुभव था। सीरीज राणा नायडू 2 में निभाए अपने किरदार के बारे में अर्जुन कहते हैं, मैं कोई रोल सिर्फ इसलिए नहीं करता कि उसमें स्क्रीन पर ज्यादा समय मिले या वो दिखने में अलग लगे। मेरे लिए जरूरी होता है कि वो इंसान अंदर से क्या महसूस कर रहा है। राउफ बहुत कम बोलता है, लेकिन अंदर से बहुत कुछ जी रहा होता है। बाहर से वो शांत लगता है, लेकिन अंदर से टूटा और उलझा हुआ है। राउफ के किरदार को निभाना नहीं था, राउफ को जीना था। और ऐसा करने के लिए पहले अपने आप से सच्चा होना जरूरी होता है। अगर कोई कलाकार सच्चाई ढूंढ रहा हो, तो ऐसे रोल डराते नहीं, बल्कि खुद बुलाते हैं। अर्जुन ने बताया, मैंने राणा नायडू का पहला सीजन देखा था और मुझे वो वाकई बहुत पसंद आया था। उसकी जो टोन थी...कच्ची, अलग और बहुत इमोशंस से भरी, वो आजकल कम देखने को मिलती है। शो के हर किरदार में कमियां थीं, लेकिन फिर भी उनसे जुड़ाव महसूस होता था।

साभार एजेंसी